सांध्य दैनिक 4PM

जब आप सांस लेते हैं, आप भगवान से शक्ति ले रहे होते हैं। जब आप सांस छोड़ते हैं तो ये उस सेवा को दर्शाता है जो आप दुनिया को दे रहे हैं।

–बी के एस आयंगर

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK

• वर्ष: 9 • अंक: 292 • पृष्ठ: 8 • लखनऊ, रविवार, 3 दिसम्बर, 2023

आधी आबादी ने शिवराज पर फिर... 7 | अब शुरू होगी कुर्सी की... 3 | धोखे से वोट हथियाना चाहती है... 2

दक्षिण में फिर कांग्रेस ने दिया भाजपा को करारा झटका

राजस्थान, मध्य प्रदेश व छत्तीसगढ़ में भाजपा को बढ़त

» बीआरएस को हराकर तेलंगाना में बनेगी नई सरकार

» गहलोत, वसुंधरा राजे, सचिन पायलट, शिवराज जीते

» केसीआर व रेवंत भी पीछे, बघेल पिछड़े

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राजस्थान, मध्य प्रदेश व छत्तीसगढ़ में बीजेपी जबकि तेलंगाना में कांग्रेस की सरकार का बनना लगभग तय हो चुका है। हिन्दी पट्टी क्षेत्र में बीजेपी की बढ़त बनी हुई है। जबकि दक्षिणी राज्य तेलंगाना में कांग्रेस ने बीआरएए से सत्ता छीनकर द्रविड़ क्षेत्र में अपनी ताकत और बढ़ा ली है। गौरतलब हो कि लगभग छह महीने पहले कांग्रेस ने कर्नाटक में भाजपा को चुनाव में मात देकर सत्ता हथिया ली थी। माना जा रहा है कि इस चुनाव से 2024 लोक सभा चुनाव की दिशा का अनुमान भी लग जाएगा। दोपहर तक के आंकड़ों के मुताबिक, छत्तीसगढ़ की 90 सीटों में से बीजेपी 56, कांग्रेस 32 सीटों पर आगे चल रही है।

यहां कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। वहीं मध्य प्रदेश और राजस्थान में भी बीजेपी बड़ी जीत की ओर बढ़ रही है। मध्य प्रदेश में बीजेपी 166, कांग्रेस 63, बीएसपी एक सीटों पर आगे है। राजस्थान में बीजेपी 114, कांग्रेस 70 और निर्दलीय 7 और बीएसपी दो सीटों पर आगे है। तेलंगाना में कांग्रेस 63, बीआरएस 40, बीजेपी 9, एआईएमआईएम 6 और सीपीआई एक सीट पर आगे है। उधर लगभग सारे बड़े नेता जीत रहे है। राजस्थान से सीएम अशोक गहलोत, भाजपा की दिग्गज नेता वसुंधरा राजे, सचिन पायलट जीत चुके है। मध्य प्रदेश में सीएम शिवराज आगे चल रहे हैं जबकि नरेंद्र सिंह तोममर जीत चुके है। छत्तीसगढ़ में खबर लिखे जाने तक सीएम भूपेश बघेल पीछे चल रहे थे। वहीं तेलंगाना में भी एक सीट पर सीएम केसीआर कांग्रेस के उम्मीदवार रेवंत रेड्डी से पीछे चल रहे थे जबकि एक सीट पर वह बढ़त बनाए हुए थे।

चार राज्यों के चुनावी रूझान

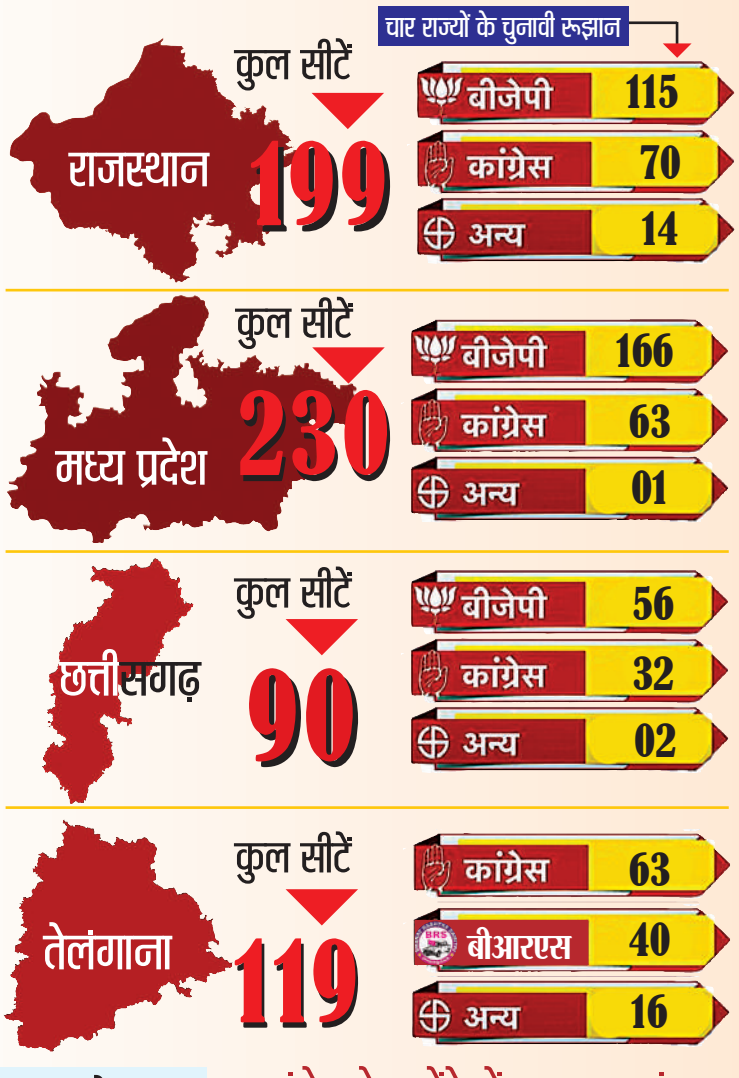

राज्य	कुल सीटें	दल	सीटें
राजस्थान	199	बीजेपी	115
		कांग्रेस	70
		अन्य	14
मध्य प्रदेश	230	बीजेपी	166
		कांग्रेस	63
		अन्य	01
छत्तीसगढ़	90	बीजेपी	56
		कांग्रेस	32
		अन्य	02
तेलंगाना	119	कांग्रेस	63
		बीआरएस	40
		अन्य	16

विधानसभा चुनाव के नतीजों का गठबंधन पर कोई असर नहीं : शरद पवार

नई दिल्ली। देश के पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव में से चार राज्यों में का चुनाव परिणाम लगभग साफ हो गया है, रुझानों में बीजेपी को तीन राज्यों, मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में साफ बहुमत मिल गया है। जिसके बाद यही कहा जा रहा है कि इसका ढ्डह्लष्ठढ्ढ गठबंधन पर क्या असर पड़ेगा। अब एनसीपी प्रमुख शरद पवार का कहना है कि चार राज्यों में विधानसभा चुनावों के नतीजों का इंडिया गठबंधन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। शरद पवार ने कहा, मुझे नहीं लगता कि इसका इंडिया गठबंधन पर कोई असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर बैठक की जाएगी। उन लोगों से बात की जाएगी जो जमीनी हकीकत जानते हैं. बैठक के बाद ही इस पर टिप्पणी करने में सक्षम होंगे।

हमें न रुकना है, न थकना है: पीएम मोदी

तीन राज्यों में चुनावों में मिली बढ़त के बाद पीएम ने कहा कि मैं लोगों को भरोसा देता हूं कि आपके कल्याण के लिए हम निरंतर अथक परिश्रम करते रहेंगे। मोदी ने कहा कि हम विकसित भारत के लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ रहे हैं, हमें ना रुकना है, ना थकना है। हमें भारत को विजयी बनाना है। चुनाव परिणाम के बाद पीएम मोदी का बयान सामने आया है। पीएम ने जनता के नाम संदेश लिखा कहा, चुनावी परिणाम बता रहे हैं कि भारत की जनता का भरोसा सिर्फ और सिर्फ सुशासन और विकास की राजनीति में है, उनका भरोसा भाजपा में है। भाजपा पर अपना स्नेह, विश्वास और आशीर्वाद बरसाने के लिए मैं इन सभी राज्यों के परिवारजनों को हृदय से धन्यवाद करता हूं।

कांग्रेस के एजेंडे में अब अल्पसंख्यक नहीं : गुलाम नबी आजाद

मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना चुनाव रिजल्ट पर कांग्रेस के पूर्व नेता और डीपीएपी अध्यक्ष गुलाम नबी आजाद ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि अभी जो रुझान आ रहे हैं वो बहुत जल्द वाला ट्रेंड है मेरे ख्याल में असली ट्रेंड शाम 6-7 बजे के बाद पता चलेगा। साथ ही उन्होंने कांग्रेस पर वार किया। आजाद ने कहा कि एक चीज मैंने 20-25 दिनों में जो महसूस की कि जिस कांग्रेस को अल्पसंख्यकों का चैंपियन माना जाता था, उसने अल्पसंख्यकों के बारे में बात नहीं की। अब अल्पसंख्यक कांग्रेस के एजेंडे में नहीं हैं, उन्होंने कहा, बीजेपी कभी अल्पसंख्यक की बात नहीं करती है, लेकिन कांग्रेस जिसको चैंपियन माना जाता था अल्पसंख्यकों का, उसने बात नहीं की। ओबीसी सीएम की बात की, लेकिन अल्पसंख्यकों के बारे में नहीं किया गया, उनकी नौकरी, नेताओं की बात नहीं की।

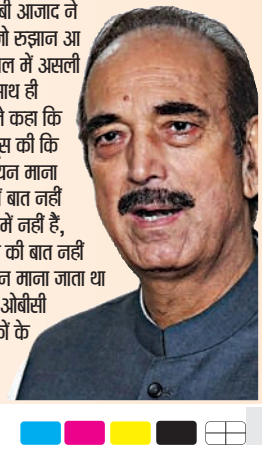

धोखे से वोट हथियाना चाहती है बीजेपी : अखिलेश

» मतदाता सूची के संशोधनों पर निगाह रखें कार्यकर्ता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लोकसभा चुनाव को लेकर सपा बीजेपी पर आक्रमाक होने की तैयारी में लग गई। सपा अध्यक्ष व यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा साजिश करने के अपने पुराने काम में लग गई है। वह धोखा देकर वोट हथियाना चाहती है। भाजपा अपनी राजनीति के लिए लाभार्थियों की सुविधाओं का राजनीतिक इस्तेमाल करके लोकतंत्र की निष्पक्षता को ही नष्ट करने की साजिश कर रही है।

अखिलेश शनिवार को पार्टी मुख्यालय पर विधायकों और प्रमुख कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 7 वर्षों से भाजपा सरकार ने विकास का कोई काम नहीं किया। समाजवादी सरकार के कामों से भाजपा अपने कामों की तुलना नहीं कर सकती है। भाजपा लोकतंत्र के लिए खतरा है। इसलिए समाजवादियों को पूरी निष्ठा से लोकतंत्र को बचाने में जुटना है। 2024 में कहीं भी कोई कमी नहीं छोड़नी है। अखिलेश ने कहा कि चुनाव में जीत के लिए मतदाता सूची पर ध्यान रखना होगा। सूची में अभी 9 दिसंबर तक नाम बढ़ाने का अंतिम अवसर है। पार्टी के सभी पदाधिकारी नेता और कार्यकर्ता बूथ स्तर पर रात दिन लगकर लोकतंत्र को बचाने के लिए सघन जनसंपर्क करें। समाजवादी और पिछड़ा, दलित व अल्पसंख्यक मिलकर आने वाले लोकसभा चुनाव में भाजपा को सत्ता से हटाने का काम करेंगे। सामाजिक न्याय की लड़ाई सपा हमेशा से लड़ती रही है। भाजपा जातीय जनगणना न कराकर सभी को हक और सम्मान से वंचित कर रही है।

कन्नौज, आजमगढ़ व मैनपुरी पर नजर

शिवपाल, डिंपल और अखिलेश की सीटें तय

लखनऊ। समाजवादी पार्टी अपने पुराने गढ़ पर पुनः काबिज होने के लिए कारगर रणनीति तैयार कर रही है। आगामी लोकसभा चुनाव में आजमगढ़ से शिवपाल यादव और बदायूं से धर्मेंद्र यादव के मैदान में उतरने की पूरी संभावना है। कन्नौज से अखिलेश यादव का लड़ना भी करीब-करीब तय माना जा रहा है, जबकि फिरोजाबाद से अक्षय यादव मैदान में उतरना तय हो चुका है। मैनपुरी से सांसद डिंपल यादव अगले चुनाव में एक बार फिर वहीं से सपा की उम्मीदवार होंगी। पूर्वांचल में आजमगढ़ लोकसभा सीट सपा का गढ़ मानी जाती रही है। मोदी लहर में भी वर्ष 2014 और 2019 में यहां भाजपा को हार का सामना करना पड़ा। 2014 में मुलायम सिंह यादव वहां से जीते थे, जबकि 2019 में अखिलेश यादव ने विजय पताका फहराई। लेकिन, अखिलेश के विधानसभा चुनाव जीतने के बाद हुए उपचुनाव में यह सीट भाजपा ने छीन ली। मुलायम परिवार के सदस्य धर्मेंद्र यादव को भाजपा के दिनेश लाल यादव निरहुआ ने हरा दिया। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, आजमगढ़ से शिवपाल यादव को लड़ाने पर विचार किया जा रहा है। माना जा रहा है कि शिवपाल अपने सांगठनिक कौशल के कारण यहां विपक्षियों पर भारी पड़ेंगे। उनके मैदान में आने पर मितव्यात की स्थिति भी न्यूनतम होगी। वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में धर्मेंद्र यादव ने बदायूं, अक्षय यादव ने फिरोजाबाद और डिंपल यादव ने कन्नौज से जीत हासिल की थी, लेकिन पिछला लोकसभा चुनाव ये तीनों हार गए। 2019 में धर्मेंद्र यादव को स्वामी प्रसाद मौर्य की बेटी व भाजपा प्रत्याशी संघमित्रा मौर्या ने हराया और अब स्वामी प्रसाद मौर्य सपा में अहम जिम्मेदारी पर हैं।

हर मोर्चे पर विफल हो गई योगी सरकार : अजय राय

» कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने स्वास्थ्य सेवा, किसान, अपराध, विकास और युवाओं के मुद्दे पर प्रदेश सरकार को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने प्रदेश की योगी सरकार पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की बीजेपी की योगी सरकार हर मोर्चे में विफल है। उन्होंने स्वास्थ्य सेवा, किसान, अपराध, विकास और युवाओं के मुद्दे पर प्रदेश सरकार को घेरा। अजय राय ने कहा कि जिस सरकार में उन्हीं की पार्टी के सांसद के बेटे को इलाज नहीं मिला। वह पीजीआई में भर्ती नहीं हुए और निधन हो गया। कहीं मजबूर अपनी बहन का शव बांधकर ले गया तो कहीं अस्पताल में बच्चों के शव को कुत्ते नोच रहे हैं। सरकार, सदन में तो बड़े बड़े आंकड़े देती है लेकिन उसकी सच्चाई अलग है।

अपराध के मामले बढ़े हैं। किसान बदहाल हैं। गन्ना का नया सत्र शुरू हो गया और अब तक पिछला 4000 करोड़ का बकाया भुगतान नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि सुल्तानपुर में डाक्टर और कौशांबी में युवक की हत्या हुई। प्रमुख सचिव गृह ने खुद माना की कई जिलों में अपराध बढ़े हैं। भाजपा कहती हैं कि माफिया, गुंडे भाग गए। सच्चाई यह है कि माफिया या तो भाजपा में चल गए या उनके संरक्षण में काम कर रहे हैं। यह सरकार झूठे वादे और झूठे आंकड़े सदन में रख रही है। उन्होंने 69000 शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों के उत्पीड़न का मुद्दा उठाया। पार्टी विधायक वीरेंद्र चौधरी ने सदन में नियमावली के पालन न होने की बात कही।

संसद सत्र में उठाएंगे जातीय जनगणना का मुद्दा: मायावती

» बोलीं - जनता में जागरूकता से भाजपा की नींद उड़ी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा कि जातीय जनगणना के प्रति लोगों की जागरूकता ने भाजपा की नींद उड़ा दी है। वहीं कांग्रेस अपने अपराधों पर पर्दा डालने में व्यस्त है। बसपा सुप्रीमो ने कहा कि संसद के आगामी 4 दिसम्बर से शुरू हो रहे शीतकालीन सत्र से पहले आज सर्वदलीय बैठक में बसपा द्वारा सरकार से देश में जातीय जनगणना कराए जाने की मांग दोबारा की गई है।

अब जबकि इसकी मांग देश के कोने-कोने से उठ रही है, केन्द्र सरकार द्वारा इस बारे में अविलम्ब सकारात्मक कदम उठाना जरूरी है। महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी, पानी, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य व कानून व्यवस्था से त्रस्त व जातिवादी शोषण-अत्याचार से पीड़ित देश के लोगों में जातीय जनगणना के प्रति जो अभूतपूर्व रुचि एवं जागरूकता है, वह भाजपा की नींद उड़ा रही है। उन्होंने कहा कि वैसे विभिन्न राज्य सरकारें सामाजिक न्याय की दुहाई देकर आधे-अधूरे मन से जातीय जनगणना कराकर जनभावना को काफी हद तक साधने का प्रयास कर रही हैं।

एनडीए आई तो शराबबंदी खत्म : मांझी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। एक ओर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शराबबंदी को लेकर अपनी पीठ थपथपाते नजर आते हैं। मंच से कई बार शराबबंदी के फैसले को सही बताते हुए अपने सरकार की खूब तारीफ करते हैं। वहीं इन दिनों उनके घोर विरोधी बन चुके पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने शराबबंदी को लेकर बड़ा बयान जारी कर दिया है। हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के संरक्षक जीतन मांझी ने शराबबंदी खत्म करने का ऐलान किया है।

बिहार में शराबबंदी को लेकर जीतन राम मांझी ने कहा है कि अगर बिहार में हमारी सरकार आती है तो गुजरात की तर्ज पर लागू करेंगे या यूं ही छोड़ देंगे। मांझी ने कहा कि फिर से शराब चालू होने की ओर इशारा कर रहे थे। मीडिया से बातचीत करते हुए पूर्व सीएम मांझी ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि सौ चूहे खाकर बिल्ली हज को चली। साल 2005 से 2010 में नीतीश कुमार की सरकार ने बिहार के गांव-गांव में शराब बेचने का लाइसेंस दे दिया। इसके बाद अचानक इन्हें एहसास हुआ कि इसे पूरी तरह से बंद करना है। मांझी ने आरोप लगाया कि शराबबंदी होने के बाद भी बिहार में शराब बिक रहे हैं। प्रशासन लगातार शराब विक्रेताओं और शराब पीने वालो पर कार्रवाई कर रही है। गौरतलब हो कि बिहार में अवैध शराब पीने से कई लोगों की जान चुकी है।

बिहार में शराबबंदी कानून कहीं से सही ही नहीं है

गुजरात की तर्ज पर लागू करेंगे बिहार में कानून

जीतन राम मांझी ने कहा कि शराबबंदी के मामले में जो बंदी है उसमें 80 प्रतिशत दलित लोग हैं जो एक पैग पीकर शाम में घर जाता है। वैसे लोगों को इन्होंने जेल में बंद कर रखा है। उन्होंने आगे कहा कि मांझी 500 कमाने वाले 2000 और 3000 कहां से देगा। इसी वजह से वह जेल चला जाता है। बिहार में शराबबंदी कानून कहीं से सही ही नहीं है। यदि मेरी सरकार आएगी तो हम लोग या तो गुजरात के तर्ज पर कानून को लागू करेंगे ही या यूं ही खुला छोड़ देंगे। उन्होंने कहा कि शराबबंदी तो प्रदेश में लागू है पर पड़ोसी राज्यों से अवैध शराब आती रहती है उसे पीकर हर वर्ग का आदमी बीमार पड़ रहा है।

लोग सीएम व आप सरकार के साथ : आतिशी

» बोलीं- घर-घर जाकर ले रहे हैं राय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। 'मैं भी केजरीवाल' अभियान के तहत मंत्री आतिशी ने कालकाजी में डोर टू डोर कैंपेन चलाया। आतिशी ने कहा कि भाजपा चुनावों में अरविंद केजरीवाल को हरा नहीं सकती। दिल्ली के सभी लोग अरविंद केजरीवाल के साथ हैं तो अब भाजपा इस तरीके से सरकार को गिराना चाहती है। उन्होंने गोविन्दपुरी, कालकाजी में घर-घर जाकर लोगों से पूछा कि अगर झूठे केस के तहत अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार किया जाता है, तो क्या उन्हें इस्तीफा देना चाहिए या जेल से सरकार चलानी चाहिए।

इसके अलावा विधायक ऋतुराज झा ने किराड़ी, विधायक प्रमिला टोकस ने आरके पुरम, दिल्ली प्रदेश उपाध्यक्ष जितेंद्र तोमर ने त्रिनगर सहित अन्य विधायकों ने अपने क्षेत्र में अभियान चलाकर लोगों की राय जानी। इस दौरान आतिशी ने कहा कि भाजपा मुख्यमंत्री को झूठे आरोप में जेल में डालना चाहती है। इससे पहले सत्येंद्र जैन, मनीष सिसोदिया और संजय सिंह को गिरफ्तार कर चुकी है अब सीएम को गिरफ्तार करने का षड्यंत्र रच रही है। उधर उत्पाद शुल्क नीति मामले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आम आदमी पार्टी नेता संजय सिंह के खिलाफ राउज एवेन्यू कोर्ट में चार्जशीट दायर की। संजय को अक्टूबर 202× में ईडी ने गिरफ्तार किया था। तब से ही आप सांसद संजय सिंह तिहाड़ जेल में हैं।

भाजपा केजरीवाल से डरी : ऋतुराज

विधायक ऋतुराज झा ने कहा कि आप के सभी मंत्री, विधायक, पार्षद, पदाधिकारी और कार्यकर्ता एक-एक घर जाकर हस्ताक्षर अभियान चला रहे हैं। हम दिल्ली के लोगों को बता रहे हैं कि भाजपा अरविंद केजरीवाल से डरी हुई है। अब वो ईडी और सीबीआई का सहारा लेकर अरविंद केजरीवाल को खत्म करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि पहले यह विपक्षी नेताओं पर ईडी और सीबीआई से फर्जी मुकदमे करते हैं। उसके बाद उन नेताओं को अपनी पार्टी में शामिल करते हैं और फिर उनके ऊपर से सारे केस हटा लेते हैं। जो इनके साथ होता है उसको यह ईमानदार बताते हैं, जो इनके साथ नहीं आता उनको झूठे मुकदमे लगाकर जेल में डाल देते हैं। सुप्रीम कोर्ट ईडी और सीबीआई से बार-बार सबूत मांग रहा है लेकिन इनके पास कोई सबूत नहीं है।

83 फीसदी लोगों ने कहा- सीएम को दे देना चाहिए इस्तीफा : गोयल

आम आदमी पार्टी के अभियान के बीच पूर्व केंद्रीय मंत्री विजय गोयल ने लोक अभियान के कार्यकर्ताओं के साथ राजीव चौक मेट्रो स्टेशन पर जनमत संग्रह करवाया। इसमें पूछा गया कि क्या दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए। इस जनमत संग्रह में 10 हजार लोगों ने अपनी राय दी। दावा है कि जनमत संग्रह में 83 फीसदी लोगों ने कहा कि मुख्यमंत्री को अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए।

अब शुरू होगी कुर्सी की लड़ाई

- चुनावी नतीजों के बाद अब सीएम के चेहरे पर माथापच्ची
- कांग्रेस-भाजपा का शीर्ष नेतृत्व रख रहा नजर
- जोड़-तोड़ का खेल होगा शुरू
- पूर्ण बहुमत न मिलने पर बढ़ेगा निर्दलियों का भाव

4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। चार राज्यों के चुनाव परिणाम रविवार को आ जाएंगे। शनिवार की रात सियासी दलों को नींद उड़ी रही। तेलंगाना में 30 नवंबर को मतदान संपन्न हो गए थे। उसके बाद लगभग हर मीडिया हाउस, अखबारों व यूट्यूब चैनलों ने एग्जिट पोल जारी कर दिए। कुछ पोलों में भाजपा को बढ़त तो कुछ में कांग्रेस को आगे दिखाकर सरकार बनाते हुए दिखाया गया। इन पोलों के बाद सियासी दलों के बीच बातचीत का दौर अंदरुनी स्तर पर होने लगी है। भाजपा, कांग्रेस, बीआरएा, एआईएमआईएम से लकर सपा-बसपा सभी सक्रिय हो गये है।

सभी छोटे दल निगाह रख रहे हैं। छोटे दलों को ऐसा लगता है अगर किसी पार्टी को बहुमत नही मिलता है तो उनकी मांग बढ़ सकती है ऐसे में उन्हें अपनी कीमत मिलने की संभावना बढ़ सकती है। बसपा व अन्य क्षेत्रीय दल वहां बनने वाली सरकारों में अपनी भागीदारी मांग सकते है ताकि उन्हें सत्ता का सुख मिल सके। वहीं एग्जिट पोल व मतगणना के बीच दो दिन का समय बाकी ऐसे में बहुत सी पार्टियों विधायकों की खरीद फरोख्त में लग सकती हैं। हालांकि ऐसी किसी भी घटना से बचने को सभी सियासी पार्टियां अपने चुने हुए विधायकों पर कड़ी नजर रखने का यत्न कर रही हैं।

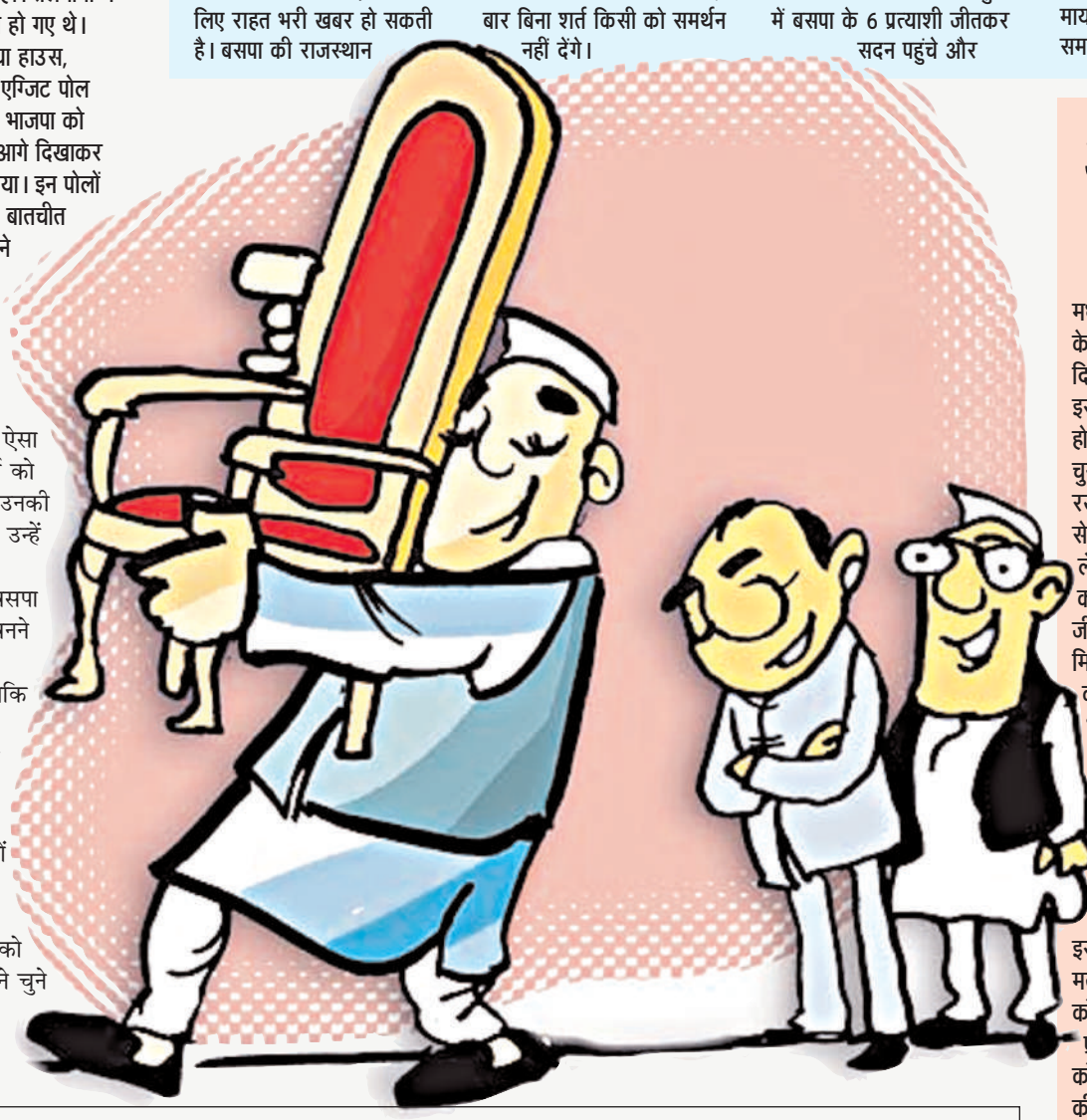

शर्तों के साथ मदद करेंगी मायावती

राजस्थान में समर्थन देने के लिए बहुजन समाज पार्टी ने शर्त रख दी है। विधानसभा चुनाव के लिए 3 दिसंबर यानी रविवार को मतगणना होगी। इससे पहले बहुजन समाज पार्टी की राज्य इकाई ने बड़ा एलान किया है,एक ओर जहां कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी बहुमत न मिलने की दशा में निर्दलियों और बागियों के दरवाजे पर दस्तक दे रही हैं, तो वहीं बसपा का ताजा एलान उनके लिए राहत भरी खबर हो सकती है। बसपा की राजस्थान इकाई के अध्यक्ष भगवान सिंह बाबा ने एक बयान में कहा राज्य में पार्टी ने पूरी मजबूती के साथ चुनाव लड़ा और इस बार 6 से ज्यादा प्रत्याशी जीत कर आएंगे। भगवान सिंह ने आरोप लगाया कि साल 2008 और साल 2018 के चुनाव के बाद कांग्रेस ने बसपा को धोखा दिया। हमारे विधायकों ने तोड़ा और खरीद लिया। उन्होंने कहा कि हमारी राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने स्पष्ट किया है कि इस बार बिना शर्त किसी को समर्थन नहीं देंगे। अगर जीते हुए प्रत्याशियों को कैबिनेट में जगह दी जाएगी तभी वह किसी दल को समर्थन करेंगी। भगवान सिंह ने कांग्रेस के अलावा किसी अन्य दल का नाम नहीं लिया लेकिन जिस तरह उन्होंने मौजूदा सत्ताधारी दल पर विधायक तोड़ने और खरीदने का आरोप लगाया उससे यह साफ संकेत है कि राज्य में बसपा, बीजेपी को भी समर्थन दे सकती है, दीगर है कि साल 2018 के विधानसभा चुनाव में बसपा के 6 प्रत्याशी जीतकर सदन पहुंचे और

मायावती ने यहां कांग्रेस को समर्थन दिया था लेकिन बाद में सभी विधायक कांग्रेस में शामिल हो गए। नतीजों के एलान से पहले बसपा के इस दांव ने जहां कांग्रेस और बीजेपी को एक ओर राहत दी है, वहीं सशर्त समर्थन देने की बात ने दोनों दलों की टेंशन भी बढ़ा दी है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि जनता, बसपा को किंगमेकर की भूमिका में लेकर आएगी या नहीं, क्योंकि साल 2023 के चुनाव के लिए आए एग्जिट पोल में बसपा का खाता न खुलने के आसार जताए हैं।

अब सब बातों पर चर्चा करेंगे : कमलनाथ

मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव के मतगणना की जारी है। 3 दिसंबर के दिन मतगणना होना है। इसके पहले इसके लिए मतगणना होने से रिजल्ट जारी होने तक चुनाव आयोग ने सारी तैयारी कर रखी है। वहीं, एग्जिट पोल के बाद से ही राजनीतिक पार्टियां जीत को लेकर भरोसा बढ़ गया है। वजह कहीं किसी भी एग्जिट पोल में जीत का दावा नहीं है। बढ़त मिलने की बात कही जा रही है। कांग्रेस के पूर्व नेता कमलनाथ भी पार्टी की जीत को लेकर पूरे विश्वास में है। मतगणना से पहले उन्होंने मीडिया के सवालों को कल लंबी चर्चा में देने का बोलेकर चल दिए। दरअसल, पीसीसी चीफ अपने आवास से किसी काम पर निकल रहे थे। इसी दौरान उनसे मीडिया ने मतगणना, एग्जिट पोल के आंकड़े को लेकर साथ ही निर्दलीय प्रत्याशियों से बात करने के मुद्दे को लेकर बात करने की कोशिश की तो बाद में आराम से लंबी चर्चा करने की बात करने का कह के निकल गए।

अपनी कार में बैठते हुए पूर्व सीएम ने मीडिया के सवालों पर कहा कि कल आइएगा,लंबी चर्चा करेंगे। इसके साथ ही एग्जिट पोल पर बोले कि देखिए मुझे कोई पोल से मतलब नहीं। मैंने हमेशा ये कहा है कि मुझे मध्य प्रदेश के मतदाता पर पूरा विश्वास है। निर्दलीय और बागी से बातचीत पर कहा कि इसकी कोई आश्यकता नहीं है। वहीं बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि यदि बीजेपी के पास 160 सीटें है तो ये सब नाटक कर रही है। इससे बात करो उससे बात करो।

आलाकमान किसी से नाराज नहीं : विजयवर्गीय

विजयवर्गीय से मध्य प्रदेश में बीजेपी और कांग्रेस के बीच कड़ी टक्कर का दावा करने वाले कुछ एग्जिट पोल नतीजों के बारे में सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, संभवत उन्होंने चैंबर में बैठकर सर्वे किया होगा। जो सर्वे जमीन पर हुए हैं, उनमें साफ तौर पर कहा गया है कि बीजेपी सरकार बनाएंगे। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय महासचिव और इंदौर 1 सीट से भाजपा प्रत्याशी कैलाश विजयवर्गीय ने कहा है कि भाजपा मध्य प्रदेश के साथ-साथ राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भी सरकार बनाएगी। विजयवर्गीय ने शनिवार को इंदौर में बात करते हुए यह टिप्पणी की और रविवार को होने वाली वोटों की गिनती से पहले भाजपा सरकार बनने का विश्वास जताया। जब विजयवर्गीय से मध्य प्रदेश में बीजेपी और कांग्रेस के बीच कड़ी टक्कर का दावा करने वाले कुछ एग्जिट पोल नतीजों के बारे में सवाल किया गया तो उन्होंने कहा था संभवत: उन्होंने चैंबर में बैठकर सर्वे किया होगा। जो सर्वे जमीन पर हुए हैं, उनमें

साफ तौर पर कहा गया है कि बीजेपी सरकार बनाएंगे। सरकार सिर्फ मध्य प्रदेश में ही नहीं बल्कि राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भी बननी है। बताया यह भी जा रहा है कि महासचिव कैलाश विजयवर्गीय बीते दिनों पार्टी के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मिले है। उनकी यह मुलाकात बंद कमने में हुई थी। यही कारण है कि इसको लेकर तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। हालांकि, विजयवर्गीय ने साफ तौर पर कहा कि चुनाव को लेकर कोई बात नहीं हुई है। उनसे मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को लेकर भी सवाल पूछा गया। पूछा गया कि क्या मुख्यमंत्री से आलाकमान नाराज है? इसको लेकर उन्होंने कहा कि आलाकमान शिवराज सिंह चौहान से नाराज नहीं है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि इतनी फुरसत नहीं है आलाकमान को कि किसी से नाराज हों। मुख्यमंत्री से सवाल पर उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा, यह दिल्ली में बैठे नेता तय करेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा में इंटरनल डेमोक्रेसी है। वहां विधायक दल की बैठक होगी। नाम तय होगा। उसके बाद पार्लियामेंट्री बोर्ड उस पर मुहर लगाएगा। भाजपा का कार्यकर्ता ही मुख्यमंत्री बनेगा।

बीजेपी-कांग्रेस ने बागियों पर भी रखा था नजर

पिछले विधानसभा चुनावों में प्रदेश की गहलोत सरकार बहुमत से एक सीट कम रह गई थी। इसके बाद 13 निर्दलीय विधायकों का समर्थन लेकर अशोक गहलोत ने राजस्थान में अपनी सरकार चलाई। इस बार भी एग्जिट पोल कुछ इसी तरह का इशारा कर रहे हैं। कांग्रेस और भाजपा के दोनों ही दलों के दमदार बागी चुनाव मैदान में हैं। इनके अलावा कुछ सीटें ऐसी भी जहां आरएलपी, आजाद समाज पार्टी, बसपा समेत कई अन्य दलों के प्रत्याशियों ने भी भाजपा-कांग्रेस के प्रत्याशियों को कड़ी चुनौती दी है। यही कारण है कि प्रदेश की 21 सीटें ऐसी हैं, जिनके चुनाव परिणाम पर पूरे प्रदेश की नजरें टिकी हैं। राजस्थान में पिछली बार दूसरे दलों और निर्दलियों को मिलाकर कुल 27 विधायक विधानसभा में पहुंचे थे और सरकार बनते ही इनकी जरूरत महसूस होने लगी थी, क्योंकि कांग्रेस के पास खुद की 200 में से 100 ही सीटें थी। आरएलडी के साथ गठबंधन था तो इसलिए बहुमत का आंकड़ा तो हो गया, लेकिन कांग्रेस में जिस तरह का आतरिक संघर्ष चला, उसके चलते ये विधायक पूरे पांच साल अहम बने रहे। इस बार जिन सीटों पर बागी या दूसरे दलों के प्रत्याशी मजबूती से लड़े, वहां मतदान का प्रतिशत भी अच्छा है। ये बता रहा है कि मतदाताओं को मतदान केंद्र तक लाने में इन प्रत्याशियों ने भी पूरी ताकत लगाई है। फीडबैक बता रहा है कि इस बार निर्दलियों और अन्य दलों के विधायकों की संख्या पिछली बार के मुकाबले कम रहने की संभावना है। इसका एक कारण यह माना जा रहा है कि पिछली बार बसपा के छह विधायक थे और बसपा का ट्रेंड रहा है कि वह एक चुनाव में अच्छा करती है और दूसरे में उसका प्रदर्शन डाउन चला जाता है। ऐसे में निर्दलीय और अन्य दलों के विधायकों की संख्या 20 के आसपास रह सकती है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

लाउडस्पीकर के इस्तेमाल से ध्वनि प्रदूषण नहीं

मस्जिदों से लाउडस्पीकर से अजान के मामले में हाईकोर्ट का उम्दा फैसला आया है। कोर्ट से सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि अजान ने कोई ध्वनि प्रदूषण नहीं होता। अदालत ने कहा जैसे मंदिरों के घंटी घड़ियाल से कोई हानि नहीं है वैसे ही अजान भी मानवीय स्वास्थ्य को कोई नुकसान नही पहुंचाता है। दरअसल, गुजरात उच्च न्यायालय ने एक जनहित याचिका (पीआईएल) को खारिज करते हुए कहा कि मस्जिदों में अजान के लिए लाउडस्पीकर के इस्तेमाल से ध्वनि प्रदूषण नहीं होता है। पीआईएल में इसके इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने की मांग की गई थी। जनहित याचिका को कोर्ट ने ''पूरी तरह से मिथ्या धारणा'' पर आधारित करार दिया और पूछा कि क्या याचिकाकर्ता यह दावा कर सकता है कि किसी मंदिर में आरती के दौरान घंटियों और घड़ियाल का शोर बाहर नहीं सुनाई देता है।

मुख्य न्यायाधीश सुनीता अग्रवाल और न्यायमूर्ति अनिरुद्ध पी. मायी की खंडपीठ ने इस मामले की सुनवाई की। कोर्ट ने कहा कि हम यह समझने में असफल हैं कि सुबह लाउडस्पीकर के माध्यम से अजान देने वाली मानव आवाज ध्वनि प्रदूषण पैदा करने के स्तर (डेसीबल) तक कैसे पहुंच सकती है, जिससे बड़े पैमाने पर जनता के स्वास्थ्य को खतरा हो सकता है। अदालत ने कहा, हम इस तरह की जनहित याचिका पर विचार नहीं कर रहे हैं। अदालत ने बताया कि अजान दिन के अलग-अलग घंटों में एक बार में अधिकतम दस मिनट के लिए की जाती है। इसने याचिकाकर्ता के वकील से पूछा, ''आपके मंदिर में, ढोल और संगीत के साथ सुबह की आरती भी सुबह तीन बजे शुरू होती है। क्या आप कह सकते हैं कि घंटे और घड़ियाल का शोर केवल मंदिर परिसर में ही रहता है, मंदिर के बाहर नहीं फैलता?'' अदालत ने कहा कि ध्वनि प्रदूषण के स्तर को मापने के लिए एक वैज्ञानिक तरीका है, लेकिन याचिका में यह दिखाने के लिए कोई डेटा नहीं दिया गया है कि 10 मिनट की अज़ान से ध्वनि प्रदूषण होता है। इसने आगे बताया कि याचिकाकर्ता द्वारा दिया गया एकमात्र तर्क यह है कि विभिन्न समुदायों और धर्मों के लोग पड़ोस में रहते हैं जहां लाउडस्पीकर के माध्यम से अज़ान होती है और इससे स्वास्थ्य संबंधी खतरे और असुविधा होती है। अदालत का फैसला समाज में भाईचारे को मजबूती प्रदान करने में मदद करेगा। इस आदेश के बाद बहुत राज्यों में भी इस मुददे पर जो राजनीति हो रही है उस पर भी लगाम लगेगी। हालांकि अन्य अदालतों ने इस मामले में अन्य फैसले भी दिए हैं। पर इस फैसले के बाद यह भी विश्वास किया जा सकता है कि मंदिर या मस्जिद इसकी आढ़ में मनमानी नही करेंगे।

अदालत ने कहा जैसे मंदिरों के घंटी घड़ियाल से कोई हानि नहीं है वैसे ही अजान भी मानवीय स्वास्थ्य को कोई नुकसान नही पहुंचाता है। दरअसल, गुजरात उच्च न्यायालय ने एक जनहित याचिका (पीआईएल) को खारिज करते हुए कहा कि मस्जिदों में अजान के लिए लाउडस्पीकर के इस्तेमाल से ध्वनि प्रदूषण नहीं होता है। पीआईएल में इसके इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने की मांग की गई थी।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

पहाड़ पर भारी न पड़ जाए विकास का मॉडल

पंकज चतुर्वेदी

उत्तराखंड में यमुनोत्री तक निर्माणाधीन सड़क की सिलक्यारा सुरंग में फंसे लोगों के बाहर निकलने के दिन बढ़ते जा रहे हैं। पहाड़ के साथ की गई छेड़छाड़ का ही परिणाम है कि जिस अमेरिकी मशीन 'औगर' को पराक्रमी कहा जा रहा था, लक्ष्य से 12 किलोमीटर दूर इस तरह टूटी कि उसे टुकड़े-टुकड़े कर निकालना पड़ रहा है। लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए जहां भी पहाड़ को छेदा जाता है, वहां मिल रही असफलता बताती है कि इंसान के विज्ञान-तकनीक ज्ञान की तुलना में दुनिया का सबसे युवा पहाड़ हिमालय बहुत विशाल है।

पहाड़ केवल पत्थर के ढेर नहीं होते, वे इलाके के जंगल, जल और वायु की दशा और दिशा तय करने के साध्य होते हैं। यदि धरती पर जीवन के लिए वृक्ष अनिवार्य हैं तो वृक्ष के लिए पहाड़ का अस्तित्व बेहद जरूरी है। ग्लोबल वार्मिंग व जलवायु परिवर्तन की विश्वव्यापी समस्या का जन्म भी पहाड़ों से जंगल उजाड़ दिए जाने से ही हुआ है। पर्वतीय राज्यों में बेहिसाब पर्यटन ने प्रकृति का हिसाब गड़बड़ाया तो गांव-कस्बों में विकास के नाम पर आए वाहनों के लिए चौड़ी सड़कों के निर्माण के लिए जमीन जुटाने-कंक्रीट उगाहने के लिए पहाड़ निशाना बने। यदि नीति आयोग के विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा तीन साल पहले तैयार जल संरक्षण पर रिपोर्ट पर भरोसा करें तो हिमालय से निकलने वाली 60 फीसदी जल धाराओं में दिनों-दिन पानी की मात्रा कम हो रही है। ग्लोबल वार्मिंग, कार्बन उत्सर्जन, जलवायु परिवर्तन और इसके दुष्परिणाम धरती के शीतलीकरण का काम कर रहे ग्लेशियरों पर आ रहे संकट व उसके कारण समूची धरती के अस्तित्व के खतरे की बातें अब हकीकत बनती नजर आ रही हैं। ऐसे दावों के दूसरे पहलू भी सामने आने लगे कि जल्द ही हिमालय के हिमनद पिघल जाएंगे, जिससे नदियों में पानी बढ़ेगा। एक तरफ कई नगर-गांव जलमग्न हो जाएंगे, वहीं धरती के बढ़ते तापमान को थामने वाली छतरी के नष्ट होने से सूखा, बाढ़ व गर्मी पड़ेगी।

तीन साल पहले 31 विकास परियोजनाओं के लिए 185 एकड़ घने जंगलों को उजाड़ने की अनुमति देने का काम जरूर होता रहा। सात अप्रैल, 2020 को राष्ट्रीय वन्य जीव बोर्ड की स्थाई समिति की बैठक में सारी आपत्तियों को दरकिनार करते हुए घने

जंगलों को उजाड़ने की अनुमति दी गई। समिति ने पर्यावरणीय दृष्टि से संवेदनशील 2933 एकड़ के भू-उपयोग परिवर्तन के साथ-साथ 10 किलोमीटर संरक्षित क्षेत्र की जमीन को भी कथित विकास के लिए सौंपने पर सहमति दी। इस श्रेणी में प्रमुख प्रस्ताव उत्तराखंड के देहरादून और टिहरी गढ़वाल जिलों में लखवार बहुउद्देशीय परियोजना (300 मेगावाट) का निर्माण और चालू है। परियोजना बिनोग वन्यजीव अभयारण्य की सीमा से 3.10 किमी दूर स्थित है और अभयारण्य के डिजॉल्ट ईएसजेड में गुजरती है। परियोजना के लिए 768.155 हेक्टेयर वन भूमि और 105.422 हेक्टेयर निजी भूमि की आवश्यकता होगी। परियोजनाओं को दी गई पर्यावरणीय मंजूरी को पिछले साल नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने निलंबित कर दिया था। इसके बावजूद परियोजना पर राष्ट्रीय बोर्ड द्वारा विचार किया जा रहा हे। हिमालय के पर्यावरणीय छेड़छाड़ से उपजी सन् 2013 की केदारनाथ त्रासदी को भुलाकर उसकी हरियाली उजाड़ने की कई परियोजनाएं उत्तराखंड राज्य के भविष्य के लिए खतरा बनी हुई हैं। गत नवंबर, 2019 में राज्य की कैबिनेट से स्वीकृत नियमों के मुताबिक कम से कम दस हेक्टेयर में फैली हरियाली को ही जंगल कहा जाएगा। यही नहीं, वहां न्यूनतम पेड़ों की सघनता घनत्व 60 प्रतिशत से कम न हो और जिसमें 75 प्रतिशत स्थानीय वृक्ष प्रजातियां उगी हों। जाहिर है कि जंगल की परिभाषा में बदलाव का असल उद्देश्य ऐसे कई इलाकों को जंगल की श्रेणी से हटाना है जो कि कथित विकास के राह में रोड़े बने हुए हैं। उत्तराखंड में बन रही पक्की सड़कों के लिए 356 किलोमीटर के वन क्षेत्र में कथित रूप से 25 हजार पेड़ काट डाले गए। यही नहीं, सड़कों का संजाल पर्यावरणीय लिहाज से संवेदनशील उत्तरकाशी की भागीरथी घाटी से भी गुजर रहा है।

उत्तराखंड के चार प्रमुख धामों को जोड़ने वाली सड़क परियोजना में 15 बड़े पुल, 101 छोटे पुल, 3596 पुलिया, 12 बाईपास सड़कें बनाने का काम चल रहा है। ऋषिकेश से कर्णप्रयाग तक रेलमार्ग परियोजना भी स्वीकृत हो चुकी है। जिससे जंगल-वन्य जीव प्रभावित होंगे। सनद रहे हिमालय पहाड़ न केवल हर साल बढ़ रहा है, बल्कि इसमें भूगर्भीय उठापटक चलती रही हैं। यहां पेड़ भूमि को बांध कर रखने में बड़ी भूमिका निभाते हैं, जो कि कटाव व पहाड़ ढहने से रोकने का एकमात्र उपाय है।

सदियों के साथी के दिन भी बहुरेंगे!

क्षमा शर्मा

पिछले दिनों कोझीकोड से एक कुत्ते की खबर आई थी। यह कुत्ता वहां के एक अस्पताल के शवगृह के सामने लगातार चार महीने से बैठा है। भला हो मीडिया का कि यह कुत्ता सुर्खियां बना। इसे भारत का हाचिको कहा गया। हाचिको वह कुत्ता था जिसका मालिक जापान के शिबुया स्टेशन से रेलगाड़ी में बैठकर युद्ध के लिए चला गया। युद्ध में उसकी मृत्यु हो गई। लेकिन हाचिको वहीं बैठा रहा। नौ साल तक वह इस बात का इंतजार करता रहा कि कभी तो उसका मालिक लौटेगा। लेकिन मालिक कभी नहीं लौटा। लौटता भी कैसे। वह तो मर चुका था। हाचिको आखिर इस बात को जानता भी कैसे। वह रात-दिन रेलगाड़ियों को इसी आशा से देखता रहा कि किसी से तो उसका मालिक उतरेगा। और अंत में नौ साल बाद हाचिको के प्राण भी स्टेशन पर इंतजार करते-करते निकल गए। इस कुत्ते को वहां के लोगों ने बहुत प्यार दिया। उसकी मूर्ति भी शिबुया रेलवे स्टेशन पर लगी हुई हैं। लोग आकर इसकी मूर्ति पर फूल चढ़ाते हैं। फोटो खिंचवाते हैं और बहुत-सी यादें अपने साथ ले जाते हैं। इस पर डाग्स स्टोरी नाम से फिल्म भी बनी है जिसमें मशहूर अभिनेता रिचर्ड गेरे और जान एलन ने काम किया था। इस फिल्म को बहुत पसंद किया गया था। यह एकदम से आपके मन के तारों को झनझना देती है।

कुन्नूर, कोझिकोड, केरल में चार महीने से अपने मालिक के इंतजार में बैठे इस देसी नस्ल के कुत्ते को देखकर हाचिको की ही याद आती है। इसके बारे में आसपास के लोग कहते हैं कि शायद इसका मालिक अस्पताल में आया होगा और मृत्यु के बाद उसे शवगृह में कुछ दिन रखने के लिए ले जाया गया होगा। वहां दो दरवाजे हैं। एक अंदर जाने का दूसरा बाहर निकलने का। मालिक का शव दूसरे दरवाजे से बाहर ले जाया गया होगा, जिसके बारे में इस बेचारे को मालूम नहीं है। वह सोचता है कि कभी न कभी तो मालिक शवगृह के अंदर से लौटेगा। जब से इसके बारे में लोगों ने ध्यान दिया है, इसकी देखभाल होने लगी है।

पहले तो यह कुछ नहीं खाता था, लेकिन अब बिस्कुट आदि खाने लगा है। खाना खिलाने पर ही खाता है। स्वयं सहायता समूह से जुड़ी एक महिला लगातार इसकी देखभाल करती हैं। लेकिन अपने स्थान से यह और कहीं नहीं जाता। आसपास रहने वाले कुत्तों से मिलता भी नहीं है। कभी-कभार फिजियोथैरेपी विभाग के भी चक्कर लगाता है। शायद इसने मालिक को वहां भी जाते देखा होगा। इसका क्या नाम है, कहां रहता था, कौन इसका मालिक है, किसी को पता नहीं है। अगर स्थानीय अखबारों में इसके बारे में कुछ छपे, टीवी पर खबर चले तो शायद कुछ पता चल सके। इसके मालिक का कोई रिश्तेदार इसे लेने आ सके। यों इसे चाहकर भी कुछ बताया नहीं जा सकता। आखिर कुछ समझेगा भी कैसे। इस घटना को सुनकर मन भर आता है। आखिर जानवरों की भावनाओं को क्यों हम नहीं समझते। क्यों ध्यान नहीं दे पाते जबकि ये अपना जीवन भी बलिदान कर देते हैं। अपने मालिक और परिवार को बचाने की कितनी कहानियां हम सुनते-पढ़ते रहते हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि यह देसी नस्ल का कुत्ता है। अपने यहां महानगरों और शहरों में देसी कुत्ते शायद ही कोई पालता है।

अक्सर लोगों के घरों में विदेशी नस्ल के कुत्ते ही देखे जाते हैं। इन कुत्तों की कीमत बहुत ज्यादा होती है। भारतीय परिस्थितियों के अनुकूल बनाने के लिए इनकी देखभाल अधिक करनी होती है। जबकि देसी कुत्ते बेचारे दर-दर भटकने को मजबूर होते हैं जबकि ये भारतीय मौसमों को प्राकृतिक रूप से झेलने लायक होते हैं। इनके खान-पान पर भी अलग से कोई ध्यान नहीं देना पड़ता। जबकि ग्रामीण समाज में ये कुत्ते घरों के अभिन्न अंग रहे हैं। जानवरों की देखभाल, चोरों से बचाने वाले भी माने जाते रहे हैं। लेकिन बदले वक्त ने इन्हें कहीं का नहीं छोड़ा है। बल्कि इनके ऊपर अक्सर यह आरोप लगाता रहता है कि ये लोगों को काटते रहते हैं। इसीलिए बहुत से अभियान इन्हें खत्म करने के लिए चलाए जाते हैं। दरअसल, कोई देसी कुत्ते क्यों नहीं पालना चाहता, यह बात समझ में नहीं आती। यदि कोई बड़ा आदमी देसी कुत्ता पालता है तो वह खबर बन जाता है जैसे कि मशहूर अभिनेता स्वर्गीय ओम पुरी। उन्होंने मोती नाम से एक देसी कुत्ता पाल रखा था। कई बार इस तरह के अभियान भी चलाए जाते हैं कि विदेशी कुत्तों की जगह देसी कुत्ते ही पाले जाएं। प्रधानमंत्री भी देसी कुत्तों के महत्व को कई बार बता चुके हैं। वे चाहते हैं कि लोग इन कुत्तों को पालें। सेना और पुलिस में भी इन कुत्तों को जगह मिले।

शायद अब इन कुत्तों के दिन बदलने वाले हैं। अब पुलिस की ड्यूटी में रामपुर हाउंड, गद्दी, बखरवाल आदि नस्ल के कुत्ते भर्ती किए जाएंगे। हिमाचली और तिब्बती कुत्तों को भी जगह मिलेगी। जोखिम वाले क्षेत्र जैसे संदिग्धों को पकड़ना, नशीले पदार्थों को सूंघना, विस्फोटों का पता लगाना, गश्त करना आदि काम शामिल हैं। अभी तक विदेशी नस्ल के कुत्तों को ही इसमें शामिल किया जाता था। अभी तक केंद्रीय सशस्त्र बलों में सबसे अधिक चार हजार कुत्ते हैं। सीआरपीएफ में पंद्रह सौ और राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड में सौ कुत्ते शामिल हैं। प्रधानमंत्री यह भी कह चुके हैं कि वैज्ञानिक माध्यमों से देसी नस्ल के कुत्तों को सुधारा भी जाए। अगर ऐसा हो जाए तो सचमुच बहुत अच्छा रहेगा। कायदे से तो प्रचार माध्यमों के जरिए देसी कुत्तों के पक्ष में अभियान भी चलाया जाए, उनके गुण बताए जाएं, उनकी सच्ची कहानियां सुनाई जाएं जिससे कि लोग इन कुत्तों के गुणों से परिचित हो सकें। विदेशी नस्ल के कुत्तों की जगह इन्हें पाल सकें।

बच्चों के लिए जल्लाद न बनें मां-बाप

तोड़कर रख देता है टाइगर पैरंटिंग का तरीका, सुसाइड तक पहुंच सकती है बात

टाइगर पैरंटिंग, बच्चों की सफलता के लिए कठोर अनुशासन पर आधारित है। इसका एक प्रभाव यह है कि इससे बच्चों की बॉन्डिंग कमजोर हो सकती है। इसके अलावा, बच्चों को तनाव महसूस हो सकता है और इससे उनमें डिप्रेशन का भी प्रकोप हो सकता है। टाइगर स्टाइल पैरंटिंग स्ट्रिक्ट पैरंटिंग का एक रूप है जिसमें बच्चे को सफलता प्राप्त करने के लिए कठोर अनुशासन में रखा जाता है। पैरंटिंग न केवल माता-पिता और बच्चों के बीच की बॉन्डिंग को कमजोर करती है, बल्कि बच्चे को तनाव में भी डालती है। उनके लिए लक्ष्य निर्धारित किए जाते हैं और उम्मीद की जाती है कि वे उन लक्ष्यों पर खरे उतरें।

बच्चे हो सकते हैं विद्रोही

ऐसी पैरंटिंग में कई बच्चे पैरंट्स के व्यवहार से विद्रोही हो जाते हैं और नशीले पदार्थ लेने लगते हैं। माता-पिता द्वारा सफल होने के लिए डाला जा रहा दबाव उनके बच्चों में चिंता के स्तर को बढ़ा सकता है, जिसके चलते कई बार बच्चा सुसाइड तक पहुंच जाता है। उनके पास अपनी पसंद के मुताबिक निर्णय लेने की क्षमता खत्म हो जाती है।

बच्चा हमेशा तनाव में रहता है

टाइगर पैरंटिंग के शिकार कुछ बच्चों पर की गई स्टडी में निकलकर आया कि ऐसे बच्चों में तनाव और कोर्टिसोल का लेवल बहुत हाई रहता है। किसी पार्ट में सूजन, इन्फेक्शन, इम्यून सिस्टम का कमजोर होना, मोटापा, क्रोनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी), हार्ट प्रॉब्लम और कुछ मामलों में तो ऐसे बच्चों में कैंसर भी पाया गया है। बच्चे माता पिता की गाइडेंस पर जी रहे होते हैं, तो वे सामाजिक नहीं होते और दूसरों के साथ घुलने मिलने में इनको दिक्कत आती है।

ऐसा करना सही है या गलत?

बच्चे की परवरिश का यह तरीका बच्चे को डिप्रेशन और तनाव की तरफ ले जा सकता है। टाइगर पैरंटिंग में पैरंट्स बच्चे से बहुत ज्यादा उम्मीदें करते हैं जिससे बच्चा दबाव महसूस करने लगता है। उसमें असफल होने का डर पैदा हो जाता है। जब वह पैरंट्स की उम्मीदों पर खरा नहीं उतर पाता, तो शर्मिंदगी महसूस करता है और फिर धीरे-धीरे उनसे दूरियां बनाना शुरू कर देता है। लगातार ऐसे माहौल में रहने से एक समय बाद बच्चा तनाव और डिप्रेशन में आ जाता है।

जरूरी है बैलेंस बनाना

टाइगर पैरंट्स का मानना था कि बच्चे को भविष्य के लिए तैयार करने के लिए सख्त तरीके अपनाने चाहिए। बच्चे को पैरंट्स गाइड नहीं करेंगे, तो वो कहां से सीखेगा कि उसे आगे क्या करना और वहां तक कैसे पहुंचना है। घर में नियम बनाने से बच्चे आत्म-नियंत्रण सीखते है इससे बच्चे को सही और गलत के बीच फर्क समझ आता है। लेकिन इसमें बैलेंस बनाकर चलना जरूरी है।

हंसना मना है

आज कुछ घबराये से लगते हो, ठंड मे कपकपाये से लगते हो, निखर कर आई है सुरत आपकी, बहुत दिनों बाद नहाये से लगते हो।

ससुर ने दामाद से कहा- 6 साल मे 8 बच्चे।। ये क्या है? दामाद- मैने आपसे कहा था गरीब जरूर हुं, पर आपकी बेटी को कभी खाली पेट नही रखूंगा!

एक दिन संता अपनी भाभी को पिट रहा था, राह चलते लोगो ने पूछा क्यो मार रहे हो इस बेचारी को? संता बोला- मेरी भाभी अच्छी औरत नही है, लोगो ने पूछा- क्यों क्या हुवा? संता बोला- यार मेरे सभी दोस्त मोबाइल पर लगे रहते है, और जिसे भी पुछू तुम लोग किस से बात कर रहे हो? तो सब बोलते है तेरे भाभी से।

पति अपनी नाराज पत्नी को रोज फोन करता है।। सासूजी: कितनी बार कहा की वो अब तुम्हारे घर नहीं आएगी, फिर क्यों रोज रोज फोन करते हो? जमाई: सुन कर अच्छा लगता है इसीलिए।

पापा: बेटा तुम पास हो या ना हो मैं तुम्हें बाइक जरूर दिला दूंगा।। पप्पू: थैंक्यू पापा जी, पापा: अगर पास हुये तो 'हीरो होन्डा' कॉलेज जाने के लिये, अगर फेल हुये तो 'राजदूत' दूध बेचने के लिये।

कहानी | रेत से चीनी अलग करना

एक बार बादशाह अकबर, बीरबल और सभी मंत्रीगण दरबार में बैठे हुए थे। सभा की कार्यवाही चल रही थी। एक-एक करके राज्य के लोग अपनी समस्याएं लेकर दरबार में आ रहे थे। इसी बीच वहां एक व्यक्ति दरबार में पहुंचा। उसके हाथ में एक मर्तबान था। सभी उस मर्तबान की ओर देख रहे थे, तभी अकबर ने उस व्यक्ति से पूछा- 'क्या है इस मर्तबान में?' उसने कहा कि महाराज इसमें चीनी और रेत का मिश्रण है।' अकबर ने फिर पूछा 'किसलिए?' अब दरबारी ने कहा-'गलती माफ हो महाराज, लेकिन मैंने बीरबल की बुद्धिमत्ता के कई किस्से सुने हैं। मैं उनकी परीक्षा लेना चाहता हूं। मैं यह चाहता हूं कि बीरबल इस रेत में से बिना पानी का इस्तेमाल किए, चीनी का एक-एक दाना अलग कर दें।' अब सभी हैरानी से बीरबल की ओर देखने लगे। अब अकबर ने बीरबल की ओर देखा और कहा कि देख लो बीरबल, अब तुम कैसे इस व्यक्ति के सामने अपनी बुद्धिमानी का परिचय दोगे।' बीरबल ने मुस्कुराते हुए कहा कि महाराज हो जाएगा, यह तो मेरे बाएं हाथ का काम है।' अब सभी लोग हैरान थे कि बीरबल ऐसा क्या करेंगे कि रेत से चीनी अलग-अलग हो जाएगी? तभी बीरबल उठे और उस मर्तबान को लेकर महल में मौजूद बगीचे की ओर बढ़ चले। उनके पीछे वह व्यक्ति भी था। अब बीरबल बगीचे में एक आम के पेड़ के नीचे पहुंचे। अब वह मर्तबान में मौजूद रेत और चीनी के मिश्रण को एक आम के पेड़ के चारों तरफ फैलाने लगे। तभी उस व्यक्ति ने पूछा कि अरे यह क्या कर रहे हो?' इस पर बीरबल ने कहा, 'ये आपको कल पता चलेगा।' इसके बाद दोनों महल में वापस आ गए। अब सभी को कल सुबह का इंतजार था। अगली सुबह जब दरबार लगा, तो अकबर और सारे मंत्री एक साथ बगीचे में पहुंचे। साथ में बीरबल और रेत व चीनी का मिश्रण लाने वाला व्यक्ति भी था। सभी आम के पेड़ के पास पहुंच गए। सभी ने देखा कि अब वहां सिर्फ रेत पड़ी हुई है। दरअसल, रेत में मौजूद चीनी को चीटियों ने निकालकर अपने बिल में इकट्ठा कर लिया था और बची-खुची चीनी को कुछ चीटियां उठाकर अपने बिल में ले जा रही थीं। इस पर उस व्यक्ति ने पूछा, 'चीनी कहां गई?' तो बीरबल ने कहा कि रेत से चीनी अलग हो गई है।' सभी जोर-जोर से हंसने लगे। बीरबल की यह चतुराई देख अकबर ने उस व्यक्ति से कहा कि अगर अब तुम्हें चीनी चाहिए, तो तुम्हें चीटियों के बिल में घुसना पड़ेगा।' इस पर सभी ने फिर से ठहाका लगाया और बीरबल की तारीफ करने लगे।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष
आज आपके सोचे हुए काम पूरे होंगे। आसपास के लोगों से सहयोग मिलेगा। इस राशि के जो लोग वकील है उनकी मुलाकात किसी पुराने क्लाइंट से होगा।

वृषभ
आज का दिन दांपत्य जीवन के लिए सुखमय रहने वाला है। आज आपको संतान की पढ़ाई से संबंधित कोई सूचना प्राप्त होगी, जिसके कारण आपकी खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा।

मिथुन
आज आप अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी निभाने में सफल होंगे। घर के लिए कुछ नया सामान खरीदेंगे। जीवन में आगे बढ़ने के नए रास्ते अपने आप खुलते जाएंगे।

कर्क
आज आपको कुछ मामलों में निराशा हाथ लगेगी, क्योंकि यदि आपका कोई कानूनी संबंधित मामला चल रहा है, तो उसमें आज फैसला कुछ आगे के लिए टाल सकता है।

सिंह
आज आपका दिन सामान्य रहेगा। घर में भाई-बहन की मदद से आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। काम को टालने से बचना चाहिए, समय से काम पूरा कर लेना बेहतर रहेगा।

कन्या
आज का दिन आपको कुछ विशेष कर दिखाने की उधेड़बुन में व्यतीत होगा, जिसके कारण आप अपने व्यवसाय में एक के बाद एक नई नई खोज करने में व्यस्त रहेंगे,

तुला
आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आपकी आर्थिक स्थिति और मजबूत होगी। किसी पारिवारिक विषय को लेकर जीवनसाथी से फोन पर लंबी बात होगी।

वृश्चिक
आज आपको कुछ पुराने वाद विवादों से छुटकारा मिलेगा। यदि आपकी नौकरी में अपने किसी साथी से आपकी कोई अनबन चल रही है,तो आज वह समाप्त होगा।

धनु
आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। कारोबार में लाभ होने के योग बन रहे हैं। इस राशि के प्रोफेसर को सम्मानित किया जाएगा।

मकर
आज का दिन आपके लिए उत्तम रूप से फलदायक रहेगा। आज आपको एक के बाद एक शुभ सूचना सुनने को मिलती रहेगी, जिसके कारण आपका मन प्रसन्न रहेगा।

कुम्भ
आज आपको कोई अच्छी खबर मिलेगी, जिससे पूरे दिन मन प्रसन्न रहेगा। कोर्ट-कचहरी के मामलों में जीत हासिल होगी। साथ ही मान-सम्मान में बढ़ोतरी होगी।

मीन
आज का दिन आपको पुराने झगड़े व झंझटों से मुक्ति दिलाने वाला रहेगा, क्योंकि यदि आपने किसी से कुछ धन उधार लिया हो, तो आज आप उसे उतार सकते हैं।

मालविका राज ने प्रणव बग्गा संग लिये सात फेरे

कभी खुशी कभी गम में छोटी पूजा का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस मालविका राज इस समय अचानक ही सुर्खियों में आ गई हैं. दरअसल, इस बार एक्ट्रेस अपनी शादी की वजह से चर्चा में हैं। हाल ही में मालविका लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड प्रणव बग्गा संग शादी के बंधन में बंध चुकी हैं। अब उन्होंने अपनी शादी की कई फोटोज भी सोशल मीडिया पर शेयर कर दी है।

मालविका ने अपनी शादी के खास मौके पर गोल्डन शेड का हैवी सीक्वेंस वाला लहंगा कैरी किया है। इसके साथ उन्होंने कुंदन की हैवी ज्वेलरी कैरी की है। एक्ट्रेस ने अपने इस ब्राइडल लुक को मिनिमल मेकअप रखा है।

उन्होंने सटल बेस के साथ न्यूड लिप्स और स्मोकी आई मेकअप से कंप्लीट किया है। इसके साथ उन्होंने अपने बालों का बन बनाकर बांधा हुआ है।

कुछ समय ही पहले ही की थी सगाई

बता दें कि बीते सप्ताह ही मालविका और प्रणव ने सगाई का ऐलान किया था। इसके बाद से उनकी शादी की तारीख को लेकर अटकलें लगाई जा रही थीं। उन्होंने कुछ समय पहले बताया था कि वह बॉयफ्रेंड से शादी करने जा रही हैं, लेकिन उन्होंने उस समय अपनी शादी की तारीख और वेन्यू का खुलासा नहीं किया था।

ब्राइडल बन मालविका बेहद खूबसूरत दिख रही हैं। मालविका की शादी की तस्वीरें सामने आते ही सोशल मीडिया पर छा गई हैं। फैंस ने उन पर प्यार लुटाते हुए खूब तारीफें की हैं। वहीं, जिंदगी के इस पड़ाव के लिए उन्हें आम लोगों के साथ-साथ मशहूर हस्तियों से भी ढेरों शुभकामनाएं मिलने लगी हैं।

कंगना ने आगामी लोकसभा चुनाव लड़ने की खबरों पर लगाया विराम

कंगना रणौत अक्सर सुर्खियों में छाई रहती हैं। हाल ही में उनकी फिल्म तेजस रिलीज हुई थी, जो बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर पाई थी। अब अभिनेत्री अपनी आगामी फिल्म इमरजेंसी को लेकर चर्चा में चल रही हैं। इस बीच कंगना एक बार फिर अपने बयान को लेकर चर्चा में आ गई हैं। कंगना ने हाल ही में, 2024 में लोकसभा चुनाव लड़ने की खबरों पर प्रतिक्रिया दी है। तो चलिए जानते हैं कि अभिनेत्री ने क्या कहा है। पिछले दिनों एक खबर तेजी से वायरल हो रही थी कि कंगना राजनीतिक क्षेत्र में कदम रखने के लिए पूरी तरह तैयार हैं और चंडीगढ़ निर्वाचन क्षेत्र के लिए एक दावेदार के रूप में लड़ेंगी। साथ ही यह भी कहा गया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार के रूप में अभिनेत्री-राजनेता किरण खेर की जगह लेंगी। अब हाल ही में, कंगना ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर वायरल खबर पर प्रतिक्रिया दी और कहा कि यह झूठ है। उन्होंने एक हिंदी समाचार रिपोर्ट की तस्वीर साझा की और स्पष्ट किया कि शीर्षक उनके द्वारा नहीं दिया गया है। कंगना ने लिखा, मेरे रिश्तेदार और दोस्त मुझे यह मानकर भेज रहे हैं कि हेडलाइन मैंने दी है, लेकिन यह हेडलाइन और खबर मेरे द्वारा नहीं दी गई है। बता दें कि कंगना ने चुनावी राजनीति में प्रवेश करने का संकेत देते हुए कहा था कि अगर भगवान कृष्ण ने उन्हें आशीर्वाद दिया तो वह अगला लोकसभा चुनाव लड़ेंगी। उन्होंने इंटरव्यू में कहा, श्री कृष्ण की कृपा रहेगी तो जरूर लड़ूंगी। वर्क फ्रंट की बात करें तो कंगना रणौत को आखिरी बार फिल्म तेजस में देखा गया था, जो दर्शकों को प्रभावित करने में असफल रही। इसके बाद एक्ट्रेस इमरजेंसी में दिखाई देंगी, जिसमें वह भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का किरदार निभा रही हैं। इसके अलावा उनके पास मणिकर्णिका 2 भी है।

बॉलीवुड **मन की बात**

किच्चा सुदीप के साथ टेम्पटेशन आइलैंड में जाना चाहती हैं जिग्ना

बिग बॉस 17 में नजर आ चुकीं जिग्ना वोरा पिछले ही दिनों शो से बाहर आ चुकी हैं। अब बाहर आने के बाद वह लगातार कई इंटरव्यूज दे रही हैं। विवादित रियलिटी शो के बाद अब जिग्ना ने एक और रियलिटी शो का हिस्सा बनने की बात की है। उन्होंने हाल ही में बताया कि अगर उन्हें टेम्पटेशन आइलैंड इंडिया में जाने मौका मिलता है, तो वह कन्नड़ स्टार के साथ जाना पसंद करेंगी। जिग्ना ने कहा कि वह किच्चा सुदीप के साथ टेम्पटेशन आइलैंड में जाना चाहती हैं। बिग बॉस के घर से निकलने के बाद वह क्या देखने के लिए उत्सुक हैं, इस पर जिग्ना ने खुलासा किया कि वह टेम्पटेशन आइलैंड इंडिया को लेकर बहुत उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, व्यक्तिगत रूप से किच्चा सुदीप ऐसे व्यक्ति हैं, जिनके साथ अगर मौका मिला तो मैं शो में शामिल होना पसंद करूंगी। मैं काफी समय से सिंगल हूं। शो के लिए बिग बॉस 17 के प्रतियोगियों की अपनी पसंद पर चर्चा करते हुए जिग्ना ने कहा, मैं अभिषेक और खानजादी को टेम्पटेशन आइलैंड पर उनके रिश्ते का परीक्षण करने के लिए भेजना पसंद करूंगी। उनके बीच बहुत अच्छा रिश्ता है और यह देखना दिलचस्प होगा कि वे शो में क्या करते हैं। जिग्ना ने आगे कहा, आकर्षक रूप से देखें तो अभिषेक सर्वश्रेष्ठ हैं, लेकिन जब हम भावनात्मक रूप पर जाएं तो मुनव्वर बेस्ट हैं। खानजादी दिखने में अच्छी और बेहद स्टाइलिश हैं, यह उन्हें काफी आकर्षक बनाता है। मेरा मानना है कि उसका नरम पक्ष केवल टेम्पटेशन द्वीप पर ही सामने आ सकता है। बता दें कि टेम्पटेशन आइलैंड इंडिया जियो सिनेमा पर टेलीकास्ट होता है।

लाखों में बिकता है इस जानवर का एक दांत, हाथी दांत से भी ज्यादा कीमत

धरती पर एक से एक कीमती जीव-जंतु हैं। ग्रीन ट्री पाइथन दुनिया का सबसे महंगा सांप है, जो 3 करोड़ रुपये तक में बिकता है। तो सबसे महंगा कीड़ा स्टैग बीटल है, जिसकी कीमत 75 लाख रुपये तक है। लेकिन अगर हम कहें कि एक ऐसा जीव है, जिसके दांत लाखों रुपये में बिकते हैं, तो आप यकीन करेंगे? आपके मन में एक ही ख्याल आएगा, शायद हाथी के दांत। जी हां, हाथी दांत काफी महंगे बिकते हैं। लेकिन इस जीव के दांतों की कीमत हाथी दांत से भी ज्यादा है। नाम जानकर आप चौंक जाएंगे। हम बात कर रहे जंगली सूअर की। अपनी शक्ति, गति के कारण पुराने जमाने से ही जंगली सूअर पीछा करके शिकार करने के लिए जाने जाते हैं। यूपी-बिहार-झारखंड समेत कई इलाकों में अक्सर इन्हें देखा जाता है और कई बार इनके शिकार करने की खबरें भी सामने आती हैं। लेकिन आपको जानकर हैरानी होगी कि इसके दांत अंतरराष्ट्रीय मार्केट में लाखों की कीमत में बिकते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, जंगली सूअर का सिर्फ एक दांत अंतरराष्ट्रीय मार्केट में 20 लाख रुपये तक में बिकता है। जिस तरह हाथी दांत महंगे होने की वजह उनकी तस्करी है, ठीक इसी तरह सूअर के दांत महंगे होने की भी यही वजह है। भारत में इस पर पूरी तरह प्रतिबंध है। लेकिन विदेश में इनकी खूब तस्करी होती है। ऐसा माना जाता है कि इन दांतों का इस्तेमाल तंत्र मंत्र में खूब किया जाता है। यही वजह है कि इनकी डिमांड काफी ज्यादा रहती है।

अजब-गजब **बेहद अनोखा है तरीका**

यहां नाव पर नहीं, घोड़ों पर बैठकर समुद्र में मछली पकड़ते हैं मछुआरे!

मछुआरे जब मछली पकड़ने के लिए नदी या समुद्र में जाते हैं, तो अपनी नाव के सहारे जाते हैं। फिर नाव का लंगर पानी में डाल देते हैं और कुछ देर एक ही जगह पर खड़े होकर अपने जाल को पानी के उस भाग में फेंकते हैं और मछलियां पकड़ लेते हैं। ये दृश्य आपने शायद कभी असल जिंदगी में भी देखा होगा और टीवी पर भी देखा होगा। पर क्या आपने कभी देखा है कि मछली पकड़ने के लिए नाव का नहीं, घोड़ों का इस्तेमाल हो रहा हो? शायद नहीं, पर बेल्जियम में एक जगह मछुआरे ऐसा ही करते हैं।

फ्रांस के डनकर्क से करीब 20 किलोमीटर पूर्व की ओर बेल्जियम का एक हिस्सा है जिसका नाम है Oostduinkerke जिसका अर्थ है ईस्ट डनकर्क। इस जगह पर मछुआरों का एक बेहद अनोखा तरीका है जिसके जरिए वो मछली पकड़ते हैं। ये मछुआरे मछली पकड़ने के लिए नाव का प्रयोग नहीं करते, बल्कि घोड़ों का प्रयोग करते हैं। घोड़े लेकर ये समुद्र में घुस जाते हैं। ये मछुआरे असल में खास तरह के श्रिंप को पकड़ते हैं जिन्हें क्रैंगॉन कहते हैं। ये ग्रे श्रिंप के नाम से भी जानी जाती हैं। ये एक तरह का झींगा होता है। इसे बहुत चाव से बेल्जियम में खाया जाता है। कई सदियों पहले श्रिंप को पकड़ने के लिए इसी टेकनीक का इस्तेमाल फ्रांस से लेकर नीदरलैंड तक किया जाता था। पर आज ये सिर्फ कुछ मील तक ही सीमित रह गई है।

मछली पकड़ने का काम गर्म दिनों में होता है जब समुद्र में बर्फ नहीं होती है। कम ज्वार से ठीक पहले, जब समुद्र नीचे उतर चुका होता है तो मछुआरे अपने घोड़ों पर चमकीले पीले रंग के स्लीकर और लंबे रबर के जूते पहनते हैं, और समुद्र तट के समानांतर चलते हैं और अपने पीछे बड़े जाल खींचकर झींगा और अन्य मछलियों को पकड़ लेते हैं। पेट तक समुद्र में जाल खींचकर पानी में चलना ब्रैबेंट घोड़ों के लिए भी बेहद कठिन काम है, जो अपनी जबरदस्त ताकत के लिए जाने जाते हैं, इसलिए समय-समय पर, मछुआरे और उनके घोड़े शीघ्र विश्राम के लिए तट पर लौट आते हैं। समुद्र के किनारे आने वाले झींगे को वो घोड़ों पर टंगी दो टोकरियों में भर लेते हैं। 500 साल पहले तक श्रिंप पकड़ने का यही एक तरीका हुआ करता था। व्यावसायीकरण और बढ़ती मांग के साथ, मछुआरों ने ज्वार के साथ झींगा के उनके पास आने का इंतजार करने के बजाय झींगा को पकड़ने के लिए समुद्र में जाना शुरू कर दिया है। यहां तक कि 20वीं सदी की शुरुआत में भी, उत्तरी सागर के तट पर घोड़े पर सवार होकर झींगा मछली पकड़ना एक आम दृश्य था। अब, ओस्टडुइंकरके में केवल एक दर्जन परिवार ही इस स्वदेशी संस्कृति के संरक्षक बचे हैं।

दक्षिण में चल रही है कांग्रेस की लहर

» खरगे के अध्यक्ष बनने से हो रहा लाभ

» दक्षिण के कांग्रेसी नेताओं की जनता में पैठ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। जिस तरीके से कर्नाटक में भाजपा के खिलाफ कांग्रेस को जबरदस्त बहुमत हासिल हुई उसके बाद उसे तेलंगाना में भी जबरदस्त बहुमत मिलती हुई दिखाई दे रही है। जिसके बाद यह दावा किया जा रहा है कि दक्षिण को लेकर कांग्रेस अब मजबूत हो गई है और इसका बड़ा कारण मल्लिकार्जुन खरगे हैं। तेलंगाना में चंद्रशेखर राव की पार्टी भारत राष्ट्रीय समिति पर भारी बहुमत बनाती हुई दिखाई दे रही है।

ऐसे में कहा जा सकता है कि हिंदी बेल्ट और खास करके उत्तर और मध्य भारत में कांग्रेस को मिल रही करारी शिकस्त के बीच तेलंगाना से पार्टी के लिए अच्छी खबर आई है। 2024 से पहले 2023 के आखिर में पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव में शिक्षा के नतीजे आज सामने आ रहे हैं। शुरुआती रुझानों में देखें तो मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में भाजपा जबरदस्त बहुमत के साथ सरकार बनाती हुई दिखाई दे रही है। तो वहीं तेलंगाना में कांग्रेस के लिए अच्छी खबर है जहां वह के चंद्रशेखर राव की पार्टी भारत राष्ट्रीय समिति पर भारी बहुमत बनाती हुई दिखाई दे रही है। ऐसे में कहा जा सकता है कि हिंदी बेल्ट और खास करके उत्तर और मध्य भारत में कांग्रेस को मिल रही करारी शिकस्त के बीच तेलंगाना से पार्टी के लिए अच्छी खबर आई है।

राहुल का दक्षिण से सांसद होना भी रहा प्रभावी

तेलंगाना में दलित भी एक बड़ा चुनावी मुद्दा रहा है और ऐसे में दलित समुदाय से आने वाले खरगे की वजह से कांग्रेस को बढ़त मिलती हुई दिखाई दे रही है। दूसरी ओर कांग्रेस के लिए प्लस पॉइंट दक्षिण में यह भी है कि राहुल गांधी फिलहाल लोकसभा में दक्षिण का ही प्रतिनिधित्व करते हैं। वह दक्षिणी राज्य केरल के वायनाड सीट से सांसद हैं। अगर हम कहें कि दक्षिणी राज्यों में कांग्रेस अब अपनी पकड़ को मजबूत करते हुए दिखाई दे रही है तो इसमें कोई दो राय नहीं है।

बीआरएस व बीजेपी से लोग थक चुके थे : रेणुका

हैदराबाद। तेलंगाना में 30 नवंबर को 119 सीटों पर हुए विधानसभा चुनाव के नतीजे आज आने शुरू हो गए हैं। तेलंगाना के नतीजे के शुरुआती रुझानों को देखें तो कांग्रेस ने जबरदस्त बढ़त बनाई हुई है। इसी को लेकर कांग्रेस में जबरदस्त उत्साह भी है। कांग्रेस कार्यकर्ता लगातार जश्न मना रहे हैं। इन सबके बीच कांग्रेस की वरिष्ठ नेता रेणुका चौधरी का भी बड़ा बयान आया है। कांग्रेस नेता ने कहा कि मैं एक साल से अधिक समय से कह रही थी क्योंकि हमने जनता की नब्ज को पहचाना। हम समझ गए थे कि एक बड़ा बदलाव आने वाला है और वही हो रहा है...जीत हमारी है, मुझे पूरा विश्वास है। चौधरी ने कहा कि लोग बीआरएस से थक चुके थे। उन्होंने कहा कि जब कांग्रेस एकजुट होकर चुनाव लड़ती है, तो देश की कोई भी ताकत हमारे खिलाफ खड़ी नहीं हो सकती। बीजेपी और बीआरएस एक हैं- ये बात सभी समझ गए। वे एआईएमआईएम की खतरनाक भूमिका को भी समझते हैं। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि इस खेल में सबसे बड़ा नुकसान एआईएमआईएम औवेसी को हुआ है। राष्ट्रीय स्तर पर उन्होंने जो गलत कदम उठाया उसके पीछे का सच लोगों को समझ में आ गया। यह दुर्भाग्यपूर्ण है क्योंकि मैंने हमेशा उन्हें एक बुद्धिमान व्यक्ति माना है। यह पूछे जाने पर कि क्या बीआरएस नेता कांग्रेस पार्टी के संपर्क में हैं, कांग्रेस नेता रेणुका चौधरी कहती हैं, बेशक! आज की राजनीति ऐसी ही है। वे हमारे संपर्क में हैं। कभी वे हमारे (विधायकों) को ले जाते हैं, कभी उनके यहां आते हैं। राज्य में कांग्रेस पर्यवेक्षकों के आगमन के बारे में पूछे जाने पर पार्टी नेता रेणुका चौधरी ने कहा कि हमें अपने किसी भी विधायक पर कोई संदेह नहीं है; हम उन पर भरोसा करते हैं और वे हम पर भरोसा करते हैं। लेकिन हमारी प्रक्रिया ऐसी ही है। चुनाव के बाद विधायकों से चर्चा करनी है, सीएम चुनना है और एक रिपोर्ट तैयार करनी है। तो, वे आएंगे।

» बोलीं- कांग्रेस एकजुट होकर चुनाव लड़ी तो कोई नहीं टिकेगा

गठबंधन को लेकर फिर सक्रिय हुई कांग्रेस

» खरगे ने 6 दिसंबर को बुलाई बैठक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस ने बुधवार, 6 दिसंबर को नई दिल्ली में अगली भारतीय राष्ट्रीय विकासात्मक समावेशी गठबंधन (इंडिया) भागीदारों की बैठक बुलाई है। पार्टी प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (आईएनसी), द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) और तृणमूल कांग्रेस सहित गठबंधन सहयोगियों को फोन किया और उन्हें बैठक के बारे में जानकारी दी। यह बैठक कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर होगी।

कांग्रेस की ओर से यह बैठक ऐसे समय में बुलाई गई है जब चार राज्यों के चुनावी नतीजे आ रहे हैं जिनमें से तीन राज्यों में उसे शुरुआती रुझानों में पीछे दिखाया गया है। इंडिया ब्लॉक की आखिरी बैठक को लगभग तीन महीने हो चुके हैं। यह व्यापक भाजपा विरोधी चुनाव पूर्व गठबंधन है। गौरतलब है कि पिछले महीने बिहार के मुख्यमंत्री और जनता दल (युनाइटेड) के नेता नीतीश कुमार ने विपक्षी दल भारतीय राष्ट्रीय विकासात्मक समावेशी गठबंधन (इंडिया) के कमजोर होने के लिए कांग्रेस पार्टी को जिम्मेदार ठहराया था। उन्होंने कहा था कि ऐसा लगता है कि कांग्रेस पार्टी पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में अधिक रुचि रखती है।

सोशल मीडिया पर फिर आया 'पनौती'

» राहुल गांधी पर वार करते हुए बीजेपी ने पूछा- सबसे बड़ा पनौती कौन?

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भाजपा नेता सीटी रवि ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए पूछा, सबसे बड़ा पनौती कौन है ? कोई आइडिया? अपने इस पोस्ट में उन्होंने राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी को भी टैग किया है। पिछले महीने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले गए विश्व कप के फाइनल मैच में भारतीय क्रिकेट टीम की हार के लिए कांग्रेस ने पीएम मोदी को पानौती करार दिया।चार राज्यों में आ रहे चुनावी नतीजों के बीच पनौती एक बार फिर से चर्चा में आ गया है। सोशल मीडिया पर यह खूब ट्रेंड कर रहा है। हालांकि ऐसा लग रहा है कि यह इस बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए नहीं बल्कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी के लिए है। पनौती एक हिंदी शब्द है जिसका अर्थ अपशकुन होता है, और इसका इस्तेमाल कांग्रेस पार्टी द्वारा भारतीय जनता पार्टी और पीएम मोदी पर कटाक्ष करने के लिए किया गया था। भाजपा के सीटी रवि ने कहा कि कांग्रेस की भारी हार के बाद पनौती कहां छुट्टियां मनाने जा रहे हैं! पिछले महीने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले गए विश्व कप के फाइनल मैच में भारतीय क्रिकेट टीम की हार के लिए कांग्रेस ने पीएम मोदी को पानौती करार दिया था। खुद राहुल गांधी ने सबसे पहले इसका इस्तेमाल किया था। लेकिन यह तंज अब कांग्रेस नेता पर ही आ गया है और तीन हिंदी भाषी राज्यों में पार्टी के पिछड़ते प्रदर्शन के लिए उन्हें जिम्मेदार ठहराया जा रहा है।

आधी आबादी ने शिवराज पर फिर दिखाया भरोसा

» 'लाडली बहना' योजना ने भाजपा को दिलाई बढ़त

» डबल इंजन वाली भाजपा सरकार को श्रेय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। सत्तारूढ़ भाजपा मध्य प्रदेश चुनावों में भारी जीत के साथ सत्ता बरकरार रखती दिखाई दे रही हैं। भाजपा की इस वापसी में विशलेषकों का मानना है राज्य की आधी आबादी ने सीएम शिवराज पर भरोसा बनाए रखा है। मुख्यमंत्री शिवराज चौहान की नजर मुख्यमंत्री के रूप में संभावित चौथे कार्यकाल पर है, और राज्य की राजधानी भोपाल में पार्टी के मुख्यालय में वोटों की गिनती के दौरान जश्न का माहौल देखा गया। 230 सदस्यीय मध्य प्रदेश विधानसभा का चुनाव भाजपा और कांग्रेस के बीच लड़ाई थी, जिसकी वर्ष 2018 में बनी तत्कालीन 15 महीने पुरानी सरकार, कांग्रेस से भाजपा में आए ज्योतिरादित्य सिंधिया की वजह से 2020 में सत्ता से गिर गई थी।

चौहान ने राज्य में पार्टी की सफलता के लिए डबल इंजन वाली भाजपा सरकार को श्रेय दिया। उन्होंने कहा कि मोदी जी एमपी के मन में हैं और मोदी जी के मन एमपी में हैं। उन्होंने यहां सार्वजनिक रैलियां कीं और लोगों से अपील की और उसने लोगों के दिलों को छू लिया। ये रुझान उसी का परिणाम हैं। डबल इंजन सरकार ने योजनाओं को ठीक से लागू किया।

चुनाव आयोग ने कहा कि बीजेपी 157 और कांग्रेस 71 सीटों से आगे चल रही है। हालांकि भाजपा ने चौहान के खिलाफ कथित सत्ता विरोधी लहर से निपटने के लिए तीन केंद्रीय मंत्रियों नरेंद्र सिंह तोमर, प्रह्लाद सिंह पटेल और फग्गन सिंह कुलस्ते को मैदान में उतारा था। चौहान ने महिलाओं के लिए लाडली बहना योजना जैसी योजनाओं पर बहुत भरोसा किया, जिसके तहत राज्य में गरीब परिवारों की पात्र महिलाओं को मासिक 1250 रुपये हस्तांतरित किए जा रहे हैं। कांग्रेस ने इसे चुनावी छूट बताया है, जिसे विधानसभा चुनाव से महीनों पहले लागू किया गया है, भाजपा नेताओं ने कहा है कि यह महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए पार्टी के काम के अनुरूप है। मतदान से ठीक एक दिन पहले, चौहान ने एएनआई से कहा था, कांटे की टक्कर, कांटे की टक्कर, लाडली बहना ने सारे कांटे निकाल दिये हमें जीत की राह पर ले चलो। हालाँकि, कांग्रेस के बीच माहौल निराशाजनक था, जिनके समर्थकों ने भोपाल में मुख्यमंत्री के रूप में कमलनाथ की सराहना करते हुए पोस्टर लगाए थे। कांग्रेस ने अपने 106 पन्नों के घोषणापत्र में 59 वादों को सूचीबद्ध किया था, जिसमें किसानों, महिलाओं और सरकारी कर्मचारियों सहित समाज के सभी वर्गों के लिए आश्वासन थे। राज्य की 230 सदस्यीय विधानसभा के लिए 17 नवंबर को हुए चुनाव में वोटों की गिनती आज सुबह 8 बजे शुरू हो गई।

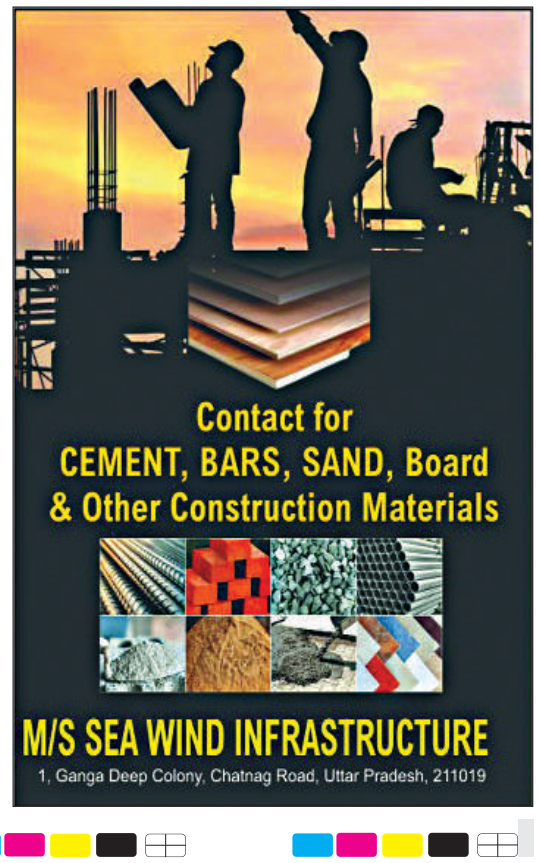

राजस्थान में सीपी जोशी, मप्र में जीतू हारे

» बघेल के 13 में से 9 मंत्री हार की कगार पर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। चार राज्यों के विधान सभा चुनाव में तीन राज्यों में भाजपा सरकार बना रही है जबकि तेलंगाना में कांग्रेस की सरकार बन रही है। वहीं कुछ बड़े नेताओं के लिए यह चुनाव खुशी लाया तो कुछ को दुख देने वाला रहा। जहां एम पी में भाजपा के केंद्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते हारे वहीं कांग्रेस के जीतू पटवारी हार गए। वहीं राजस्थान में विधान सभा के अध्यक्ष व कांग्रेस के बड़े नेता सीपी जोशी मात खा गए। उधर दिया कुमारी जो भाजपा की सीएम के चेहरे के रूप में मानी जा रही हैं वा जीत गई। मप्र में कैलाश विजयवर्गीय आगे चल रहे हैं।

छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव के लिए रविवार को जारी मतगणना के अब तक आए रुझानों के मुताबिक भारतीय जनता पार्टी ने बहुमत के आंकड़े को पार कर लिया है, तथा राज्य के नौ मंत्री अपनी सीट पर पीछे हैं, राज्य में बघेल मंत्रिमंडल में मुख्यमंत्री समेत 13 सदस्य हैं, चुनाव आयोग से प्राप्त जानकारी के मुताबिक राज्य में भाजपा 53 सीट पर तथा सत्ताधारी दल कांग्रेस 36 सीट पर आगे है, वहीं एक सीट पर अन्य आगे हैं, राज्य में सरकार बनाने के लिए किसी भी पार्टी को 46 सीट पर जीत हासिल करनी होगी। चुनाव आयोग के आंकड़ों के मुताबिक राज्य के नौ मंत्री पीछे हैं, आंकड़ों के मुताबिक उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव अंबिकापुर सीट से भाजपा के राजेश अग्रवाल से 1623 मतों से पीछे हैं, वहीं अन्य मंत्रियों में आरंग से शिवकुमार डहरिया भाजपा के गुरु खुशवंत साहेब से 6077 मतों से, गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू भाजपा के ललित चंद्राकर से 4674 मतों से, सीतापुर से अमरजीत भगत भाजपा के रामकुमार टोप्पो से 3969 मतों से, कोरबा से जयसिंह अग्रवाल भाजपा के लखनलाल देवांगन से 9522 मतों से, साजा से रविंद्र चौबे भाजपा के ईश्वर साहू से 964 मतों से, कवर्धा से मोहम्मद अकबर भाजपा के विजय शर्मा से 12092 मतों से और कोंडागांव से मोहन मरकाम भाजपा की लता उसेंडी से 66 मतों से पीछे चल रहे हैं। चुनाव आयोग के मुताबिक मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पाटन विधानसभा सीट से भाजपा के विजय बघेल से 2470 मतों से आगे हैं, वहीं मंत्री उमेश पटेल खरसिया सीट से भाजपा के महेश साहू से 7384 मतों से, कोंटा से कवासी लखमा सीपीआई के मनीष कुंजाम से 504 मतों से तथा डौंडी लोहारा से अनिला भेड़िया भाजपा के देवलाल ठाकुर से 8083 मतों से आगे हैं। आंकड़ों के मुताबिक सक्ती सीट से विधानसभा अध्यक्ष चरणदास महंत भाजपा के खिलावन साहू से 1919 मतों से तथा चित्रकोट से प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज भाजपा के विनायक गोयल से 5579 मतों से पीछे हैं। वहीं पांचवें दौर की गिनती के बाद मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पाटन सीट पर बीजेपी नेता विजय बघेल से 1,452 वोटों से आगे चल रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते को मिली निराशा

कैलाश विजयवर्गीय और रमेश मेंदोला ने चौंकाया

इंदौर विधानसभा की सभी सीटों के रुझान सामने आने लगे हैं। भाजपा इंदौर की सभी सीटों पर लगातार आगे चल रही है और कार्यकर्ता जश्न मना रहे हैं। भाजपा के लोकप्रिय नेता कैलाश विजयवर्गीय और रमेश मेंदोला ने परिणामों में सभी को चौंकाया है। कैलाश विजयवर्गीय 20 हजार से अधिक तो रमेश मेंदोला 70 हजार से अधिक मतों से आगे चल रहे हैं। इसके साथ सभी भाजपा नेताओं ने एकतरफा बढ़त बनाकर रखी है। शुरुआती परिणामों के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह है नेहरू स्टेडियम के आसपास बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ता आ चुकी हैं। ढोल नगाड़े बज रहे हैं, पटाखे फोड़े जा रहे हैं और रैलियां निकाली जा रही हैं। स्टेडियम के आसपास बड़ी संख्या में भाजपा के कार्यकर्ता जश्न मना रहे हैं। इंदौर जिले की सभी 9 सीटों पर भाजपा लगातार आगे चल रही है। इंदौर की सभी 9 विधानसभा सीट पर भाजपा आगे है। भाजपा में कैलाश विजयवर्गीय, रमेश मेंदोला, गोलू शुक्ला, मालिनी गौड़, महेंद्र हार्डिया, मनोज पटेल, तुलसी सिलावट, मधु वर्मा, ऊषा ठाकुर सभी आगे चल रहे हैं। भाजपा के कार्यकर्ताओं ने रैलियां निकलना शुरू कर दी हैं। भाजपा के कार्यकर्ता अलग-अलग ग्रुटों में सभी जगह नारेबाजी करते हुए देखे जा सकते हैं। भाजपा कार्यालय के बाहर पटाखे फटना शुरू हो गए हैं।

दीया कुमारी जीतीं

राजस्थान में एक बार फिर हर पांच साल में सरकार बदलने का ट्रेंड जारी रहने की संभावना दिख रही है। विधानसभा चुनाव में भाजपा बहुमत की ओर जाती दिख रही है। चुनाव आयोग के मुताबिक भाजपा 105 और कांग्रेस 73 सीटों पर आगे है, वहीं 14 सीटों पर अन्य उम्मीदवार आगे हैं। भाजपा 5, कांग्रेस 1 और भारतीय आदिवासी पार्टी एक सीट पर जीत दर्ज कर चुकी है। राजस्थान में एक बार फिर हर पांच साल में सरकार बदलने का ट्रेंड जारी रहने की संभावना दिख रही है। विधानसभा चुनाव में भाजपा बहुमत की ओर जाती दिख रही है। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सीपी जोशी पीछे चल रहे हैं।

सनातन का श्राप ले डूबा: कृष्णम

» अपनी ही पार्टी कांग्रेस पर भड़के

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आचार्य प्रमोद ने कहा कि कांग्रेस पहले गांधीजी की पार्टी के रूप में जानी जाती थी। रघुपति राघव राजा राम...और अब सनातन धर्म के खिलाफ पार्टी के रूप में जानी जाती है। अगर कांग्रेस इन वामपंथी नेताओं को पार्टी से बाहर नहीं निकालती तो यह एआईएमआईएम जैसा बन जाएगा।

कांग्रेस नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने विधानसभा चुनाव के नतीजे जारी होने पर अपनी ही पार्टी पर कटाक्ष किया, जिसमें सबसे पुरानी पार्टी मतगणना रुझानों के अनुसार काफी पीछे है और उन्होंने कहा कि सनातन धर्म का विरोध करने से पार्टी डूब गई है। एमपी, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के पिछड़ने पर आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा, सनातन (धर्म) का विरोध करने से पार्टी डूब गई है। इस देश ने कभी भी जाति-आधारित राजनीति को स्वीकार नहीं किया है, यह सनातन (धर्म) का विरोध करने का अभिशाप है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि सनातन का श्राप इनको ले डूबा।

फोटो :4 पीएम

चुनाव का असर

चार राज्यों के चुनाव के बाद से यूपी की राजधानी लखनऊ में जहां कांग्रेस के कार्यालय में सन्नाटा पसरा रहा तो बीजेपी कार्यालय में मना जश्न।

मोदी की अपील जनता के दिल को छू गई: शिवराज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनावों की मतगणना के रुझानों में भाजपा को अधिक सीट मिलने से उत्साहित मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की चुनावी सभाएं एवं अपील जनता के दिल को छू गईं और ये रुझान उसका परिणाम है। चौहान ने भोपाल में मीडिया से कहा कि 'मध्यप्रदेश में भाजपा की यह शानदार विजय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति असीम श्रद्धा और अकाट्य विश्वास को दर्शाते हैं।

उन्होंने (मोदी) जो सभाएं कीं, जनता से अपील की, वे जनता के दिल को छू गईं। उसी की वजह से यह परिणाम एवं रुझान आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार दिल्ली में प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने जो काम किया, उसे हमने यहां क्रियान्वित किया और यहां (मध्यप्रदेश) जो योजनाएं बनीं, लाडली लक्ष्मी से लेकर लाडली बहना तक का जो अद्भुत सफर तय किया, गरीबों, किसानों, भांजे-भांजियों के लिए जो काम हुए, वे भी जनता के दिल को छू गए। शिवराज चौहान ने कहा कि केन्द्रीय मंत्री अमित शाह की अचूक रणनीति और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के मार्गदर्शन में हमारे साथी कार्यकर्ता व पूरी टीम जुटी रही उससे चुनाव अभियान को सही गति और दिशा मिली।

लोगों ने कांग्रेस को दिखाया कद : सिंधिया

कांग्रेस पर तंज कसते हुए सिंधिया ने कहा कि वो तो कल लड्डू खरीद रहे थे। बधाई के पोस्टर लग गए थे, लेकिन हम लोग चुप-चाप काम कर रहे थे, क्योंकि हमें पूरा विश्वास रहा है कि जनता का आशीर्वाद भाजपा के साथ रहा है। जनता ने अपना निर्णय साफ कर दिया है और जो लोग कद की बात कर रहे थे ग्वालियर-चंबल संभाग और मध्य प्रदेश की जनता ने अपना कद दिखा दिया है।

राजा साहब की हर बहुआ का स्वागत

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने रविवार को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह पर तंज कसते हुए उनकी हर बहुआ का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि दिग्विजय सिंह जी की हर बहुआ का मैं स्वागत करता हूं और अपने दिल से राजा साहब को शुभकामनाएं देना चाहता हूं। मैं अपने दिल में किसी के प्रति गलत भाव नहीं रखता हूं। सिंधिया ने कहा कि मैं मध्य प्रदेश की एक-एक जनता को नमन करता हूं कि उन्होंने भाजपा पर पूर्ण विश्वास जताया है। उन्होंने कहा, भाजपा की डबल इंजन की सरकार, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का नेतृत्व, गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा का मार्गदर्शन, मध्य प्रदेश में भाजपा का एक-एक कार्यकर्ता... शिवराज सिंह चौहान का नेतृत्व और उनकी जनहितैषी नीतियों के क्रियांवयन की वजह से ही प्रदेश का एक-एक जन-जनार्दन असीम बहुमत के साथ भाजपा के पक्ष में आया है। मैं मध्य प्रदेश की जनता को दिल की गहराइयों से धन्यवाद अर्पित करता हूं।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।